# He Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18) No. 1 नई विल्ली, शनिवार, मई 5, 1979 (वैशाख 15, 1901) NEW DELHI, SATURDAY, MAY 5, 1979 (VAISAKHA 15, 1901)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compiletion)

## भाग ।।।...धावद 1

# PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, । नयंत्रक और भहालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 मार्च, 1979

सं० ए० 35014/1/79-प्रशार्शी—सिवत, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्बारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सिविधालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री ए० गोपाल- कृष्णन को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के 20-3-1979 से तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आवेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करने हैं।

अनुभाग प्रधिकारी (विशेष) के पद पर नियुक्ति होने पर श्री ए० गोपालाकुष्णन का वेतन वित्त मंत्रालय व्यय विभाग के समय-समय पर यथासंशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई० III /60 दिनांक 4-5-1961 के अनुसार विनियमित होगा ।

एस० बालजन्द्रन, श्रवर सचिव, **इ.ते** सचिव संघ लोक सेवा आयोग। नई बिल्ली-110011, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1979 सं० पी०/1827 प्रणा० I——संघ लोक मेवा श्रायोग की ममसंख्यक ग्रिधिमूचना बिनांक 15-10-1976 के ग्रनुक्रम में प्रध्यक्ष, संघ लोक नेवा श्रायोग द्वारा केरल मरकार के तिवेंद्रम स्थित इंजीनियरी कालिज में सिविल इंजीनियरी के भूतपूर्व लेक्चर डा० ए० मी० मथाई को 29-9-1979 तक श्रथवा ग्रागमी ग्रादेण तक, जो भी पहले हो, संघ लोक नेवा श्रायोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 4 के परन्तुक के ग्रनुसार उप सचिव, संघ लोक नेवा श्रायोग के पद पर कार्य करने रहने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

ण्म० बालचन्द्रन, ग्रवर मचिव. **ग्रुते ग्रध्यक्ष** 

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग कन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनाक 16 **श्रप्रै**ल, 1979

सं० जी०-29/65-प्रणा०-5—भारतीय तेक्ष निगम मे वरिष्ठ सतर्कता श्रधिकारी के रूप मे प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिये चयन हो जाने पर, श्री जी० सी० पटनायक, पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण क्यूरो ने 3 ग्रप्रैल, 1979 के ग्रपराह्म में केन्द्रीय ग्रन्वेषण क्यूरो में पुलिस उप-प्रधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

> रिपुदमन गिंसह, प्रणासनिक ग्रधिकारी (लेखा) 'केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बस नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 ग्रप्रैल 1979

मं० श्रो० थो० 685/71-स्थापना--भारत मरकार दृख के साथ यह अधिसूचित करती है कि दिनांक 24-2-79 को श्री जे० ए० श्रन्मारी, उप-पुलिस ग्रधीक्षक, ग्रंप केन्द्र, के० रि० पु० बल, पल्लीपुरम का देहान्त हो गया।

मं० श्रो० दो० 1209/75-स्थापना—-श्री रामे श्वर सिंह ने उनके सरकारी भेवा ने निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिम श्रधीक्षक, ग्रुप केन्द्र, के० रि० पु० बल, दुर्गापुर के पद का कार्य-भार दिनांक 28-2-79 (श्रपराह्म) को त्याग दिया।

ए०के० **बन्दोपाध्याय,** सहायक निदेशक (प्रणासन)

# भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 ग्रप्रैल 1979

सं० 11/1/77-प्रणा०-1---राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 29 अगस्त, 1978 की समसंख्याक श्रिधमूचना के अनुक्रम में निम्नलिखित श्रिधिकारियों की, उनमें से प्रत्येक के नाम के समक्ष दिणत जनगणना कार्य निदेणालयों में, सहायक निदेणक, जनगणना कार्य के पर पर तदर्थ नियुक्ति की अन्निध को तारीख 27 मई, 1978 से तारीख 12 सितम्बर, 1978 तक के लिए महर्ष बढ़ाते हैं ---

<b>ऋ</b> सं०	श्रधिकारी का नाम	राज्य	मुख्यालय
1	2	3	4
	ो एस० के० मजूमदार ो बी० डी० शर्मा	उत्तर प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़	लखनऊ चण्डीगढ़

सं 11/1/79-प्रणा०-1---राष्ट्रपति, हरियाणा, घण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यलय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री श्रवंमान सिंह का नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में स्थानान्तरण हो जाने से उनके स्थान पर नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री आर० के० अग्रवाल को तारीख 2 अग्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेशों तक, हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में नियमित श्राधार पर ग्रन्थ है तौर मे उप निदेशक, जनगणना कार्य के पर पर सहर्ष नियकत करने हैं।

श्री ग्रग्रयाल का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

मं 11/1/79-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश, लखनउ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्रीवी० के० भागंव को तारीख 30 मार्च 1979 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर नियमित श्राधार पर श्रस्थाई क्षमता में सहुर्य नियुक्त करते हैं श्री भागर्य का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

## दिनांक 12 अप्रैल 1979

मं० 11/1/79-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में महायवः निदेशक जनगणना कार्यं (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री के० के० रस्तोगी को उसी कार्यालय में तारीख 16 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेशों तक, नियमित ग्राधार पर ग्रस्थाई क्षमता में उप निदेशक, जनगणना कार्यं के पद पर महर्षं नियुक्त करते हैं।श्री रस्तोगी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

## दिनांक 16 अप्रैल 1979

सं० 11/1/79-प्रणा० एक (2)—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री जे० के० पटेल को महाराष्ट्र, बस्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 30 मार्च, 1979 के प्रपराह्म से प्रगले श्रादेशों तक, नियमित श्राधार पर, श्रस्थाई क्षमता में उप निदेशक जनगणना वार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री पटेल का मुख्यालय बम्बई में होगा ।

पी० पद्मनाभ, भारत के महा पंजीकार

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 11 अप्रैल 1979

मं० 29015(2)/78-प्रणा०-I—-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा मेवा के एक प्रधिकारी श्री संजय मुखर्जी को उक्त मेवा के वरिष्ठ समय मान (क्पये 1100-50-1600) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, दिनांक 30-3-1979 (श्रुपराह्न) से श्रागामी श्रावेण पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ग्रार० एल० बख्शी रक्षा लेखा महानियंत्रक (प्रशासन)

# अधिस्चना में संशोधन

नई दिल्ली-110022, दिनाक 9 ग्रप्रैल 1979

सं० 23012/79/प्रणा०-Ц---इस कार्यालय की दिनाक 23 जनवरी 1979 की अधिमूचना सं० 23012/79/प्रशा० ए० में आंशिक संगोधन करने हुए रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्न-लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) को० पहले अधि-सूचित की गई तारीख के बजाए, उनके नाम के सामने लिखी नारीख के पूर्वाह्म में, मूल पद्धारी के रूप में, लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

नाभ	संगठन जहा से <b>था</b> रत है	प्रभावी तारीख
श्रीएन०सी० फड़के	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रफमर) पूना	23-12-79
	एस० एन० रक्षा लेखा उप महानियत्न	चटोपाःयाय क (कार्मिक)

# रक्षा मंत्रालय ग्रार्डनेन्स फैंबटरिया, महानिदेशालय डी०जी०ओ० एफ० मुख्यालय (सिन्निल सेवा) कलकत्ता, दिनाक 11 ग्राप्रैल, 1979

मं०  $6/79/\sqrt{\xi}-1(\sqrt{\eta}-31)$ —महानिदेशालय, श्रार्श्डनेन्स फैंक्टरियां दिनाक 25-10-1978 में श्रागामी श्रादेश न होने तक श्री एन० एन० विश्वास, स्टेनोग्राफर "सी" /पी ए को स्टेनोग्राफर ग्रेड "बी"/सीनियर पी ए (ग्रुप 'बी' राजपित्रत) के पद पर, स्थानापन्न श्राधार पर बिना वरिष्ठता पर प्रभावी हए प्रान्नत करते हैं।

ङी०पी० चऋवर्ती भहायक महानिवेशक/प्रशासन कृते महानिवेशक

भारतीय आर्डनेन्स फीबटरियां संबा कलकत्ता, दिनांक 9 श्रप्रैल, 1979

मं० 21/79/जी-—बार्धक्य निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एच० हल्दर, स्थानापन्न टी० एम० ग्रो० (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनाक 31 मार्च, 1979 (ग्रपराह्न) में सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता सहायक महानिदेशक

श्राकाणवाणी महानिदेणालय नई दिल्ली, दिनांक श्रप्रैल, 1979

सं० 28/21/78-एस०-2-महानिदेशक प्राकाशवाणी, श्री एम० सी० पी० व्यक्तियार, फील्ड रिपोर्टर, ग्राकाशवाणी, कालीकट को आकाणवाणी कालीकट पर विस्तार अधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर 20 नवस्वर, 1978 से अगले श्रादेश तक नियुक्त करते है।

एस० बी० से<mark>षाडी</mark> उप प्रणासन निदेशक कृते महानिदेशक

## मुचना ग्रौर प्रमारण मंत्रालय

#### फिल्म विभाग

बम्बई-26, दिनांक 9 श्रप्रैल, 1979

सं० ए०-24013/26/78-सिबन्दी-1—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माना ने, फिल्म प्रभाग, नागपुर के स्थानापन्न विकेता कु० एस० सेन को, श्री जी० के० डी० नाग, शाखा प्रबन्धक को छुट्टी मंजूर करने के वजह दिनांक 19-3-1979 के दुपराह्म से समान कार्यालय में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

> न०ना० णर्मा यहायक प्रणासकीय स्रक्षिकारी **कृते** मुख्य निर्माता

क्टिप ग्रौर सिंचाई महालय (ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 11 ग्रप्रैल, 1979

मं० ए० 19023/74/78-प्र III---इम निदेणालय के प्रधीन विपणन ग्रधिकारी (वर्ग II) के पदों पर निम्नलिखित ग्रधि-कारियों की ग्रत्मकालीन नियुक्ति की 30-9-79 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो बढ़ाया गया है।

- 1. डा० जी० के० पल्लन
- 2. डा० (श्रीमती) श्रार० एय० नेहने

संगए 19023/1/79-प्रव III—श्री एसव डीव फड़के, महायक विपणन अधिकारी को दिनांक 22-3-79 (पूर्वाह्म) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर तीन माह की श्रवधि के लिए या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में में जो भी पहले घटित हो, गुन्दूर में स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ष 1) नियुक्त किया जाता है।

1. विषणन प्रधिकारी के रूप में पदोन्नित होने पर श्री फड़कों ने तारीख 17-3-79 की अपराह्म में राजकोट में महायक विषणन श्रीधकारी के पद का कार्यभार छांड़ दिया है।

दिनाक 12 श्रप्रैल, 1979

सं० ए० 19024/5/78-प्र०-III — मुख्य रसायनक्ष के पद पर श्री चन्द्र प्रकाण की श्रल्पकालीन नियुक्ति की दिनाक 30-6-79 तक या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, बोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है। सं० ए० 19024/9/78-प्र०-III— मुख्य रमायनज्ञ के पत पर श्री ए० ए० एम० प्रकाशा राव की ग्रत्यकालीन नियुक्ति को दिनाक 30-6-79 तक या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, दोनों में में जो भी पहले घटित हो, बढाया गया है।

## दिनाक 16 अप्रैल, 1979

म० ए० 19025/65/78-प्र०-III----महा्यक विषणन प्रधिकारी (वर्ष 1) के पदो पर निम्नलिखित प्रधिकारियों की प्रलाकालीन निर्याकत को 30 जून, 1979 तक या जब तक कोई नियमित प्रबंध रिए जाते हैं, दोनों में में जो भी पहले घटिन हो, बढ़ाया गया है —

- 1 श्री श्रार० एस० सिह
- 2 श्री बी० एन०के० सिन्हा
- उ श्री ग० एन० राष
- 4 श्री ग्रार० वी० एम० यादव
- 5 श्री एम० पी० सिह
- 6 श्री एच० एन**०** श्री
- 7 श्री ष्टी० एन० राव
- 8 श्री गम० पी० शिन्द
- 9 श्री श्रार० सी० मुर्जा
- 10 श्री के० के० तवारी
- 11 श्री एस० के० मलिक
- 12 श्री मस० डी० काथलकर
- 13 श्री प्रार० के० पाडे
- 14. श्री एम० जे० माहन राव
- 15 श्री के० के० सिरोही
- 16 श्रीमती ग्रन्युया णिवराजन
- 17 श्री बी० ई० इप्रविन
- 18 श्री गम० पी० मक्सेना
- 19 श्री एन० जी० श्वस्त
- 20 ग्रार० मी० सिंघल
- 21 श्री एच० एन० शक्त
- 2.2 श्री कें० जीं० वाच
- 23 श्री एस० सूर्यनारायण मृति
- 24. श्री बी० एन० वेराधर
- 25 श्री एम० श्राप्त श्रामल
- 26 श्री एम० सी० बजाज
- 27 श्री एन० एस० चेलापति राव
- 28 श्री के० जयनन्दन
- 29 श्री सी० एम० गिरधर
- 30 श्री एम० ए० शमसी।

## दिनाक 17 अप्रैल, 1979

म० ए० 19023/57/78-प्र०-III---इस निदेशालय में विम्पान अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर निम्नलिखिन अधिकारियों की प्रलामिनी निमुक्तिको दिनाक 30-6-79 तक या जब तक

नियमित प्रबंध किए जाने हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हा, बढ़ाया गया है ---

- श्री एम० चक्रबर्ती
- 2 श्री एम० बी० चक्रवर्ती
- उ श्री भार० बी० क्रुप
- 4 श्री एस० बी० कृष्णमूर्ति।

बी० एल० मनिहार निदेशक, प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

# भाभा परमाणु अनुसधान केन्द्र

## कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनाक 11 श्रप्रैल 1979

स० प्रार०/2027/टी० एस० डी०/स्थापना IV 3635— निम्नलिखित जापन जो इस प्रनुसधान केन्द्र के श्री के० पी० रवीन्द्रनाथन, कारीगर 'ए' को रिजस्ट्री रसीदी डाक द्वारा 17 जनवरी 1979 को उनके पते गर भेजा गया था, डाक प्रधि-कारियों से 20 जनवरी 1979 को 'भारत से चला गया' टिप्पणी के साथ वापिस ग्रा गया। ग्रत ज्ञापन को राजपन्न में प्रवाणित करना है।

''रसीदी रजिस्ट्री

#### ज्ञापन

नियुक्ति प्रस्ताव सं० पी० ए० /87(1)/78-धार०—िदिनाक 6 जुलाई 1978 के पैरा 1(ए) और ज्ञापन स० पी० ए०/ आर०/2027/धार०—िदिनाक 29 जुलाई 1978 के ध्रनुसार सक्षम-प्राधिकारी ने श्री के० पी० रवीन्द्रनाथन, कारीगर 'ए' तकनीकी सेवाए प्रभाग, जो 11-10-78 के पूर्वीह्म से परिश्रीक्षा पर थे की सेवाओं को समाप्त कर दिया है। उनकी तारीख 21-9-78 से 10-10-78 की ध्रनुपस्थिति छूट दिवस समझी जाएगी।

- । श्री के० पी० स्वीन्द्रनाथन
  51/1744, सुभाष नगर (एम०एच०बी०)
  चेम्बुर, बम्बई-400071।
- 2 श्री के॰ पी॰ रवीन्द्रनाथन कोलदरे हाउस पोस्ट चेन्ट्रापिन्नी जिला तिचुर, केरेला स्टेट''

एम० एम० राव उप-स्थापना अधिकारी परमाण् ऊर्जा विभाग

ऋय एवं भंडार निदेणालय

बम्बई-400001, दिनाक 19 अप्रैल, 1979

सं० डी० पी० एस०/23/1/79/संस्थापन—— निदेशक, ऋष एक भंडार निदेशालय श्री के० रवीन्द्रन, सहायक को स्थानपन्न रूप मे, महायक कार्मिक अधिकारी पद पर, रुपये 650-30-74 35-880-द० रो०-40-960 के वेतन ऋम मे, इसी निदेशालय में दिनांक 23 फरवरी 1979 अपराह्म में 31 मार्च 1979 अपराह्म तक नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक स्रधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनाक 4 अप्रैल 1979

सं० भाषाप/स्था०/1/ना-22/1567---भारी पानी परि-योजना के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री वामुदेवन गोपालकृष्णन नायर, प्रधं स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (तूर्तीकोरिन) को उसी परियोजना में श्री एच० बी० प्रिन्स, मुरक्षा अधिकारी जो छुट्टी पर है, के स्थान पर 16/1/79 में 22/2/79 (अपराह्म) तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न मुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> के० शंकरनारायणन, वरिष्ठ प्रशासन स्रधिकारी

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपावम-603102, दिनाक 22 जनवरी 1979

सं० ए० 31020/1/78-1231/2194—िरिऐक्टर प्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखा प्रधिकारी प्रांत्र रिऐक्टर प्रनुसंधान केन्द्र में लेखा प्रधिकारी  $\Pi$ 1 के पद पर स्थानापन्न स्प से नियुक्त श्री नागण्या भानुरगन को, 1 प्रप्रैल, 1977 से इस केन्द्र में लेखा ग्रिधकारी  $\Pi$ 2 के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० सेतुमाधवन प्रशासनिक <mark>ग्राधि</mark>कारी

कलपावम-603 102, दिनांक 7 फरवरी 1979

म० ए० 31020/1/78-233---िरऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निर्देशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिकों और रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से नियुक्त महायक प्रशासनिक अधिकारियों सर्वश्री अप्पा स्वामी से तुमाधवन और स्थामीनाथ वेंकटरामन को 1 जनवरी,

1979 से इस केन्द्र में सहायक प्रणासनिक श्रधिकारियों के पदो पर मौलिक रूप से नियुक्त करते हैं।

> बी० धीनिवासन, मुख्य प्रणासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनाक 7 ग्रप्रैल, 1979

सं० ए० 32013/6/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई के श्री एम० राजारमन, सहायक तकनीकी श्रधिकारी को दिनांक 16-1-79 (पूर्वाह्न) में 60 दिन के लिए तदर्थ आधार पर तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री टी० श्रार० णेयादी, तक्कनीकी श्रधिकारी के स्थान पर की गई है जो श्रिजत छुट्टी पर है।

सत्य दे<mark>य शर्मा,</mark> उप निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनाक 16 ग्रप्रैल 1979

मं० 1/485/79-स्था०—विदेश सचार सेवा के महा-निदेशक एतदब्वारा श्री ग्रार० कृष्णस्यामी को 26 फरवरी 1979 के पूर्वाह्न से ग्रीर प्रगले ग्रादेजां तक स्थिचन समृह, बम्बई में श्रस्थायी व्य से सहायक ग्राभियता निद्वत कारते हैं। एच० एल० मलहौद्रा उप निदेशक (प्रणा०) क्से महानिदेशक

> नौष्ठहन ग्रौर परिवहन मंत्रालय नीवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनाक 16 ग्रप्रैल 1979

म् वि-टी० ग्रार् (3)/77—मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता के इजीनियर ग्रफसर श्री पी० के० बनरजी, ने, 18 दिसम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से उनका त्यागपत्र स्वीकार होने के फलस्वरूप, ग्राना पदभार छोड दिया है।

> के०एम० सिधु, नौबहन उप महानिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 आर लान्डस्केप डेबनपरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

भद्रास, दिनाक 9 अर्प्रल 1979

मं० 6261/560(5)/78-- कमानी चिवित्यम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के यनुसरण में एत्र्डारा सूचना दी जाती है कि लान्डस्केप हेवलपरम प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटिन हो गयी है।

> के० पञ्चापकेणन कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर क्रिस्टिपन म्युह्यल बेनिफिट फण्ड (कोयम्बेट्र) निमिटेड के विषय मे

मद्राम, दिनांक 9 स्रप्रैल 1979

मं० 6421/560(5)/78—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुमरण में एतदहारा सूचना दी जाती है कि किस्टिपन म्युह्यल बेनिफिट फण्ड (कोयम्बेट्र) लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटिन हो गयी है।

क्षे० पञ्चापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कार्यालय ग्रायकर श्रायुक्त श्रायकर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल, 1979

म० को० आई०/पिक्लि/ सी० आई० टी०-4/डी०/77-78/543—-आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा की धारा 287 के अंतर्गत दिनांक 26-12-70 के भारत सरकार, वित्त मत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के आदेण का ध्रनुसरण करते हुए, जिसके द्वारा ऐसा करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, श्रायकर आयुक्त दिल्ली-4 उन निर्धातियों के नामों तथा ध्रन्य

विवरणों को प्रकाशित करते हैं जिनके मामलों में वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान एक लाख रुपए से प्रधिक की ग्रायकर की बकाया मांग को बट्टे खाते डाला गया था।

- (एक) मैं ''ग्राई'' व्यक्ति की हैिमयत का 'एच' हिन्दू ग्राविभक्त परिवार का तथा 'सी' कम्पनी का मूचक है तथा (दो) मैं कर निर्धारण वर्ष (तीन) मैं बट्टे खाते डाली गई माग (चार) में बट्टे खाते डालने के संक्षिप्त कारण बनाए गए है।
  - श्री सुरिन्दर सिंह ओ० श्रमृतमर हार्डवेयर स्टोर हाँज काजी, दिल्ली-6! (एक) श्राई (दो) 1962-63 मे 1969-70 तथा 1971-72 (तीन) 185,212 (चार) माग को श्रमोध्य समझा गया।
- टिप्पणी:— किसी व्यक्ति से प्राप्त कर को बट्टे खाते डाल दिया गया है इस कथन का फ्रर्थ केवल यह है कि ग्राय-कर विभाग के विचार से प्रकाणन की तारीख को निर्धारिती की ज्ञात परिसंपत्तियों से उसे वसूल नहीं किया जा सकता। प्रकाणन का फ्रथं यह नहीं है कि राणि कानूनन अशोध्य है या निर्धारिती प्रसगाधीन राणि की ग्रदायगी करने के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है।

रणवीर चन्द्रं ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली 4 नई दिल्ली प्ररूप भाई टी॰ एन॰ एस०~~

प्रायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ दिनांक 18 श्रप्रैल 1979

निवेश मं० श्रार० 132/श्रर्जन—अतः मुझे श्रमर सिंह बिमेन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कोठी नं ० 88 है तथा जो उदयपुर मैकनियर रोड बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 30-8-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत भिक्त है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितीं) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त भन्तरण सिखिन में बास्त- विक कप मे कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कसी धरने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भौर/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त समितियम का घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रमितियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) प्रधीन निकालिकित क्यक्तियों अर्थातः --- 1. सरदार विलोचन सिंह

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री राधारमन श्रग्रयाल एवं विनय कुमार श्रग्रयाल (ग्रन्तरिती)
- 3. मरदार क्रिलोचन मिंह (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के भर्जन के लिए कार्सवाहियाँ करता हूं।

उन्त सपत्ति के धर्जन क संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपक्ति में
  हितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, भी उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

कोठी नं० 88 स्थित उदयपुर मैकनियर रोड, बरेली ग्रौर सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि सेलडीड एवं फार्म 37-जी में नं० 960 में वर्णित है जो दोनों सबरजिस्ट्रार इलाहबाद के कार्यालय बरेली में दिनांक 30-8-78 को दर्ज है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-4-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०----

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 श्रप्रैल 1979

निदेण सं० ए० एस० आर०/77/79-80/1—-यत , मुझे, जी० एल० गारू

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक इमारत जिसका तम्बर 12/262 एम० सी० है तथा जो कि गाई बाजार, तरन तानर, ग्रमृतमर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाँजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी िकसी श्राय या किसा धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः →

- 1 मरदार गुरपाल सिंह पुत्र मेजर हरिन्द्र सिंह, राजा सांसी, श्रमृतसर (श्रन्तरक)
  - 2. श्री हर्राजन्द्र सिंह, पुत्र मोहन सिंह, तरन तारन, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रूची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा मर्केंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त श्रिवित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक इमारत नं० 12/262 एम० सी० जिसका 1/6 भाग है जो कि गार्ड बाजार, तरन तारन में है जैमा कि रिजस्ट्री डीङ नं० 3884/16-8-78 ग्राफ रिजस्ट्रींग अथारटी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 16-4-78

## प्रकंप धाई•टी•एन०एस•----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमुप्तसर

अमृतसर,दिनांक 1979

निर्देश सं० एएसआर०/टी० टी०/79-80/2--यतः जी० एल० गाम्ह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- **र∘** से मधिक है

ग्रीर जिसकी मं० एक बिल्डिंग नं० 12/262 है तथा जो कि ग। र्ड बाजार, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबन्ध भ्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधि-कारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत ग्रिष्ठिक है भीर भन्तरक मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भीर (भन्तरकों) अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:⊸

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीम कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर श्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया षा या किपा जाता वाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्राधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निष्नलिखित व्यक्तियों, पर्यानः -

- श्री गुग्पाल सिंह फा मेजर हरिन्द्र सिंह राजा सांसी, भ्रमृतमरः । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ग्रगरन कौर पत्नी स० मोहन सिंह, तरन तारन, अमृतमर, (म्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर मं० 2 में ग्रीर कोई किरायदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि नह सम्पत्ति में हितबद्ध है )
- को यह सूचना जारी करके पूर्वीवन सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रज़ंत के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस घटमायमें दिया गया है।

## अनुसुची

एक इमारत नं० 12/262 एम० सी० जो कि गार्ड बाजार, तरन तारन (भ्रमृतसर) में स्थित है जैसा कि रिज-स्ट्रींग डीड नं० 5247 तिथि 18-12-78 आफ रजि-स्ट्रीग भ्रथारटी, तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

> जी० एल० गारू मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर यायुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेज, म्रमृतसर

नारीख: 1979

मोहरः

2 ---46GI/79

प्ररूप गाई० टी • एन • एस • च-----

नायकर घिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के घिष्ठीत सूचता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कोचीन

कोचीन-16, दिनांक 17 धप्रैल 1979

निदेश सं० एल० सी० 295/79-80—यतः, मुझे, के० नारायण। मेनोन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-धा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- वंश से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धनुसूची के धनुसार है, जो धालप्पी में स्थित है (धौर इसमें उपाबंड धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्याक्य धालप्पी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन 17-4-1979। को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यम न प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह बिश्वास अरने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्बह गतिशत प्रक्षित है और सन्तरक (सम्तरकों) और सम्तरिती (सम्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्तरण लिखित में बास्तिक कप से कांचित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (च), ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए चा, खिपानें में सुविधा के लिए;

जतः धव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, मैं उरुष्ट प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रश्नीम, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थातः ---

- (1) श्रीमती विशालाक्यि ग्रम्माल । (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री नूरूदीन, 2. श्रीमती पालक्कन्तू सुबैदा बीवी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की शवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीय सें 45 विन के भीतर इक्त स्वावर संपत्ति में हितवद किसी मन्य स्थिक्त द्वारा मधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भिधितियम के बद्धाय 20-क में परिभाषित दें, वही भर्य होगा, जो उन भ्रद्धाय में दिया गया है।

## अनुसूची

Land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 1850/78, dated 4-8-1978.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारी**ब** : 17-4-1979

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहासक लायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज

कानपुर, दिनाक 7 मप्रैल 1979

निर्देश मं० 502 (ग्रर्जन कानपुर/78-79--ग्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी)

भायकर भिर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्धिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रमस्त 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठितयम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उनतः भ्रधिनियमं की धारा 269-गं के धनुसरण में, में, खक्त भ्रधिनियमं की घारा 269-मं की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थातः ---

- श्री विजयकुमार, कृष्ण कुमार, विष्णु कुमार केसरवानी पुताप ग्रावर्ग प्रसाद निवासी 131121 पागट कानपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हुबदारखां पुत्र ग्रब्दुल गफूर खां निवासी खीरोन जिगा रायबेरली, इरथा ग्रहमदा पुत्र दुबदार खांनिवासी सीयरोन, रामबरली, इकबाल हुसैन पुत्र कालेखां व आबद इक्ष्वाल, जफर इक्ष्वाल, रईम इक्ष्वाल पुत्राण इक्ष्वाल हुसैन निवासी जग कतराम गढ़ धनबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की भविधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तारीख से 30 दिन की भविधि, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूजना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हास्टोकरण: --इसमें प्रमुक्त शन्दों घीर पर्वो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा जो उस ग्रम्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भ्रजल सम्पति मकान नं० 41 /109 स्थित चौने गोला नई सड़क कामपुर 6000 में बेचा गया है जिसका कि भ्रनु-मानित उचिम बाजारी मुस्य 900000 है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन रेंज), कानपुर

नारीख 7-4-1979 मोहर:

# प्रकप प्राई•टी• एन• एस०----

# न्नात्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के सधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण)

## श्चर्जन रेज

कानपुर, दिनांक 7 स्रप्रैल 1979

निर्देश सं० 538 श्रर्जन एटा /78-79—श्रतः मुझे म०च० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-व के धधीत मक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दें कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्रधिक है,

भ्रौर जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर जिसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय एटा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-4-1978 की

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उति । वागार मून्य से कभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित से वास्तिबक अप से मणित नहीं किया गया है: ---

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबन उका अधि-नियम के प्रशीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी थाय या किसी धन या शस्य शास्तियों की, जिन्हे भारतीय श्रायंकर श्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनयम, या धन-कर श्रीवितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिकात व्यक्तियों, सर्वात् ⊷-

- 1. श्री हरचरन मिंह पुत्र **ज**मवन्त मिह निवासी गेहतू परगना मारहरा जिलाएटा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भूदेर्बामह सुनहरी लाल, शिव चरन लाल पुताण श्रारीमह निवामी लालपुर मनरा गेहतू परगना मारहरा, हरदयाल सिंह पुत्र पुलाफत मिंह निवामी बेगला फरती नगला गेहतू व श्रीमती श्रामकी देवी स्वी नवार्बामह निवामी गेहतू परगना मारहरा जिला एटा । (श्रन्तरिती)

को मह मूचना जारी कर ह पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इपकारिकरण: ---इनमें प्रमुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही गर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि 2.28 एकड़ स्थित ग्राम गेहन् परगना मारहरा जिला एटा 49000 में बेंची गयी जिसका कि ब्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 85000 है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंक, कानपुर

ता**रीख: 7-4-**1979

प्ररूप भाई० टी• एत• एस•----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-कानपुर

कानप्र, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 167/अर्जन/आगरा/78-79—यतः, मुझे, म०च० चनुर्वेदी आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु• मे प्रधिक है

और जिसकी मं है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण क्प में वर्णित है), रजिस्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीखं8-8-78 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि समापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रशिश्व में यधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तिनियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया ग्रातिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उन्त धन्नरण जिख्यत में असाविक का पे कांग्रत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त प्रधानियम के स्प्रीत कर देने के भन्तरहा के ताथित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए, स्रोर/ग
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनयम, या धनकर प्रधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, नक्त भ्रधिनियम की धारा 26% के अनुसरण में, में, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :---

- श्री मृतीश्वर नाथ गुप्ता पुत्र तोताराम गुप्ता डा० प्रहलाद गुप्ता पुत्र डा० मुनीश्वरनाथ निवासी दिल्ली ईट रोड श्रागरा व अन्य (अन्तरक)
- 2. श्री गतीण चन्द्र अग्रवाल राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्रगण णिवचरण लाल अग्रवाल पुत्र गंगाधर अग्रवाल 18 विजयनगर कालोनी आगरा (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेत :--

- (क) इस सूवता के राजपन्न में प्रकाणन की नारीला से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तरों में से किनी अवित्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किपी अन्य भ्यपित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  निवित्त में किए जी नकींगे।

स्पदशकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्य होगा जो उस पश्यात में दिवा गया है।

# श्रनुसूची

श्रवल सम्पति कोठी नं० 22/67 विजय नगर कालोनी श्रागरा का 14/16 हिस्सा 189000) में वेंचा गया है जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मू $^{\prime}$ य 478000 है।

म० च० चसुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) (प्यर्जन रेजि), कानपुर

नारीख: 11-4-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, अमृतमर

कानपुर, दिनांक 11 भ्रप्रैल 1979

निदेश मं० 572-ए०—-ग्रनः मुझे भरत चन्द्र चर्तुवेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-8-78

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त आयकर घिषित्यम 1961 (1961 का 43) के घिषित कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने स्विधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, ग्रथीत :—

- श्रीमती जाकिरो बेगम विधवा जादिदश्रली निवासी चहला परगना डिताई तह० अनूपशहर जिला, बुलन्वशहर (श्रन्तरक)
- श्री हैदर अली व करताज श्रली पुत्र श्रहमान व श्राफ नि चहला पर० डिकई तहः श्रनूपणहर जिला : बुलन्दणहर (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

सपच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम, के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

# अनुपूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम चेला में 26,820 रुपये बेची गई जिसका उचित बाजारी मृल्य 80,460 रुपये श्रांको गई है।

> भरत चन्द्र चर्तुवेदी सक्षम घ्रधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन रेंज) कानपुर

वारोख: 11 यप्रैल 1979।

प्रकप धाई • टी • एत • एस •-----

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के प्रवीत सूचनां भारत सरकार

कार्यालय महायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भटिंडा भटिंडा, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1979

निर्देण सं० ए० पी० 530/ एम० जी० ए० / 79-80---यतः मुझे पी० एन० मिलक

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त मिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से भिष्ठक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो सलीना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रतूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्ब्रह प्रतिशत धिक्क है धौर अन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनारम निखित में वास्त्रति ह अप से किंवत नहीं किया गया

- (का) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त स्रिधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रधीन, निम्निसिक्षित अपक्तियों, ग्रवॉत :--

- 1. श्री टिक्का हरभजन सिंह पुत्र श्रीमती सुरज कौर गांव भलीना नहसील मोगा (श्रन्तरक)
- श्रीमती बलबीर कौर पत्नी मोठ प्रीतम मिह, रिबन्द्र पाल मिह पुत्र सोठी प्रीतम मिह, जसिबन्द्र पाल मिह, प्रताप नगर जगराखों (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी शाक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही शर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

मलीना गांव में 272 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख न० 5444 श्रक्तूबर 1978 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्र<sub>ा</sub>यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भटिडा

नारीख : 2-4-79

प्रकृष ग्राई० टी० एन० एम०--

न्नायकर म्रिक्षितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीत सूचा।

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज भटिडा

भटिडा, दिनाक 2 प्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 53 1/डी० एस० यू०/79-80⊸–यतः मुझे पी० एन० मन्तिक

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुष् से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो उतथा (टांडा) में स्थित है (ग्रीर इससे उबाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय दसुआ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ चित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किमी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- 1. श्री जगजीत लाल, प्रमजीन लाल, पुत्रान गुरदर्शन लाल गांव डल्ला (टांडा) तहमीत दपुत्रा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सेवा नन्द, श्रणवनी कुमार विनय कुमार पुत्रान श्रमरनाथ गांव डल्ला (टांडा) तहसील दसुश्रा (अंतरिती)
- 3. जैमा कि नं० 2 में है। (वह न्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में निच रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेर:---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रद्धाय म दिया नया है।

# श्रनुसूचो

डब्ला गांव में णकनाल परमले कृषि भूमि का बटौंदरा जैमा कि विलेख नं 1361 प्रगस्त 1979 में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज मटिडा

तारीख 2-4-1979 मोहर: पस्य शाहिक तीत एनक एम्बन्न

भायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) का पारा 269घ (1) के अधीन न्वना भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भटिंडा भटिंडा, दिनाक 2 श्रप्रैल 1979

निदेण मं० ए०पी० 532 ए०बी० एच०/79-80---यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो अबोहर में स्थित है (श्रीर इसमें उबाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकता श्रिधकारी के कार्यालय श्रबोहर मेरिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के,धीन भ्रगस्त 1979 को

पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रश्चिक है धौर अन्तरक (धन्तरको) धौर धन्तरिती(धन्तरियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उश्यम से सन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं कया गया है:—-

- (क) भ्रश्तरण से हुई जिसी भाव की बाबत जनत ग्राध-नियम, के श्रधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/यः
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिसेथा, छिपान में श्रविधाके लिए;

अतः पत्र, उक्त उधितियम का धारा 269-ग के **बन्सरण** में , अक्त अधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :--- 3--46GI/79

- 1. श्रीमती बैषणो देवी विधवा दौलत राम वासी श्रबोहर (ग्रन्तरक)
- 2 विद्यावती पत्नी दीना नाथ गलीनं० 9 मडी स्रबोहर (ग्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोस्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितद्भव है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण: --- इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में सचा परिभावित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस धन्याय में विया गया है।

# ग्रनुसुची

कृष्णा नगरी रोड भ्रबोहर मे एक मकान जैसा कि विलेख न० 1085 अगस्त 1978 रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रतिकारी भ्रबोहर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज भटिडा

तारीख: 2-4-1979

वाक्ष धार्ष • टी • एन ० एस •-----

आयकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन प्तना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांफ 2 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 533 / बी०टी०आई० / 79-80—-यतः मुझे पी० एन० मलिकः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्० से मधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भटिंडा में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख श्रगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह् प्रतिगत से अधिक है घोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिका उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप ने किया गया है ---

- (क) मन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत उक्त मधि-नियम े अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी रतन या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी भ्रत या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भशितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त असितियम, या भ्रत्य भशितियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ भ्रत्यांच्यी हार प्रकट नहीं किया गया या किया काता चाहिए था, जियाने म स्विभाके नए;

अतः प्रमा उम्मा अधिनिश्य ही धारा 269-म के अनु-मरण में, में, उक्त अधिनियम ही धारा 269व की उपधारा के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः –

- 1. श्री भाग मल पुत्र बधावा मल ग्रौर रणजीत सिह पुत्र, जीवन सिह बस्ती भटिंडा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नाला तिलक राम मैमोरियल श्राय्वेदिक हस्पताल गुरू नानक पुरा गटिडा (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं ० 2 मे है। (वह रुयक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में चित्त रखता है। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोस्म्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्तिके अर्जन क संबंध में कोई भी प्राक्षेप .~

- (क) इस सूचना के राजपल म प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की मबिछ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य भ्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताध्यी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ना उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं बही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गुरू नानक पुरा भटिंडा में 1629 गज काएक पलाट जैसाकि विलेख नं० 238 श्रगस्त 1978 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, भटिंडा

तारीख: 2-4-79

प्राक्षण माई० टी० ऐन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1979

निदेश सं० ए० पी० 534/FDR/79-80---यतः मुझे पी० एन० मलिक,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के भिधीन सक्षम श्रिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द॰ से भिधिक है

भौरजिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है। तथा जो कोटक-पुरा में स्थित है (और इसमे उाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप में विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाशार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमें मन्तरण के लिए तय पाया स्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्श्य से स्वत मन्तरण लिखित में कास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) प्रम्तरण सं हुई किसी धाय भी वाबत 'उक्त प्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिक्ष्य में कमी करने या उससे अधाने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः भव, अक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उप-धारा (1) के प्रश्लीन निकालिकात व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री कमं सिंह, हरी सिंह, श्रीरमेहर सिंह पुत्रान सुजान सिंह, द्वारा सुजान सिंह मेहर सिंह कपड़ा बिकेता गुरुद्वारा बाजार कोटकपुरा (अंतरक)
- 2. श्री महिन्द्र सिंह, पुत्र मिलखी मिंह द्वारा पुखा प्टलज गुरद्वारा बाजार कोटकपुरा (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोह स्ताक्षरी जानता है कि व सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्तेप :---

- (क) इत सूचना क राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवधि, जो भी संवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किये जा सकेंगे

स्ववदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो मौर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के भड़पाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अमुसुस्रो

गुरद्वारा कोटकपुरा में एक दुकान जैसा कि विलेख नं० 2076 रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक, ृंसक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भटिंडा

तारीख: 2-4-1979

प्रकृष भाई • टी • एन • एस •---

आयक्तर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 श्रप्रल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 535/एन० डब्स्यू० एम०/79-80----यतः मुझे पी० एन० मलिक,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारी 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूह्य 25,000/- क॰ से श्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नवा शहर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख स्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृहयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रम्तरकों) भीर प्रम्तरिति -(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से अक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्त्रिक रूप म कयित नहीं किया गया है ---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आप की बाबन उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को चिन्हों भारतीय मायकर मिंचिनियम, 1922 का 11) या उत्तर मिंघिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ( 1957 का 27) के प्रयोजनायं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिये;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीतः—

- 1. श्री कदारत(थ पुत्र देवी दास गाव राहों तहसील नवा शहर (श्रन्तरिती)
- श्री पुणपिन्द्र कुमार पुत्र विश्वामित्र गाव राहों तहसील नवा शहर (श्रन्तरक)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोस्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबब है)

कायह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्ता सम्पत्ति के अन्त क सम्बन्ध में हाई भो ग्राक्षप ---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी क्ष म 45 दिन की भवधि या तत्सवधी क्य क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जा भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा भकेंगे।

स्वब्दी हरण: --इवमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क मे परिभावित हैं बहु अर्थ होगा, जा उस ध्रध्याय में दिया गया है।

# प्रमुखी

राहों गांव में 43 कनाल 2 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2747 धगस्त 1978 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भटिंडा

नारीख 2-4-1979 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन मूचना

भारत भरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धजन रेज भटिङा

भटिंडा,दिनांक 2 स्रप्रैत 1979

निर्देश ए० पी० 536/एम० डी० ए०/78-80----यतः मुझोपी० एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान् 'उतन श्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये से ग्रधिक है मूल्य ग्रौर जिसकी सं० जैसाकि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो बाधा पुराना में स्थित है (ब्रौर इससे उपावद अनुसूची मे ब्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्डीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण ऋबिनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीन तारीख स्रक्तुबर 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह । विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त, ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भ्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निखिखा ध्यक्तियों, ग्रयीत् :--

- श्री संत गुरमेल शिह पुत प्यारा सिंह पुत्र किशान सिंह वासी बाधा पुराना (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुखिमन्द्रिमिह्, तरसम सिंह पुद्रान हरजीत सिंह पुत्र बयन निंह श्रौर सनविन्द्रिमिह हकुमन निह, पर्लावन्द्रिमिह् वासी स्रालमवाला नजदीक वाधा पुराना

(श्रन्नरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (बहु ब्यक्ति जिस प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्मात्ति में कार्य रखता है। (वह व्यक्ति जिन के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह राष्पित में हितबद्ध है को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ख्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

बाधा पुराना गांव में 23 कनाल 8 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 5362 श्रक्तूबर 1978 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज भटिंडा

तारीख 2-4-1979

प्ररूप माई० टी० एन● एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० पी० 357/पी०एच०एल० /79-80---यतः मझे पी० एन० मलिक,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके प्रस्तात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-उ० मे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो फतहपुर में हिथत है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण एप में बिगा है). रोजिन्द्री हर्ती श्रधिकारी कार्यालय फिलौर में रिजिन्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1978 को

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित गंजार मृत्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रः प्रतिगत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भीर भन्तरित्रं (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में कास्तविक स्पसे गयित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः मन, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:——

- 1. श्री श्रात्मा राम पुत्र ठाकुर राम वासी धतहपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शम्भू दयाल पुत्र करतार चन्द बासी श्रादेवाली तहबील फिलोर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ऋचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोस्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में तिबद्ध है)

को यह एकार वारी करके पूर्वीका सम्मति के सर्वन के लिए कार्यवाधियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन म सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 39 दिन की अविध, जो भी प्रविधि शद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में कि नी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद किसी अन्य अयक्ति द्वारा, धांहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंग।

स्वब्दो हरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फाइनुर गांत्र में 69 कनाल 7 मरले कृषि कृषि भूमि जैसा कि वितेख नं० 2663 सितम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जर रेंज भटिंडा

तारीख : 2-4-79

प्रकार शाईक ही । एतक एम ------

आयत्र प्रार्थान्यः, 1931 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज भटिंडा भटिंडा,दिनांक 2 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 538/एच० एस० भार०/79-80

यतः मुझे, पी० एन० मिलक, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान 'उनन ग्राधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्राधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो गाम चौरासी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रिजरट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का (16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिबित में जानति के का से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय को बाबर उपत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अक्तरक के जाशिश्व में कभी करने या उसस बचने में स्विधा के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किपी प्राय मा किसी धन पा पन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधितियम, या धनकर श्रीधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्ति ती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उत्तर ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त ग्रिविनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्निविधित अस्तियों, अर्थात्:--

- श्री बनर्बार सिंह पुत्र हरनाम सिंह पुत्र दौनती गाव शाम चौरासी थाना हरियाण। जिला होणियारपुर । (श्रानारय)
- 2. श्री दिलयाग सिंह पुत्र बतन सिंह पुत्र जिंगर सिंह गांव

   स्वावका जिला जलन्धर ।
   (ग्रन्तिंगी)
- 3 जैमा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भ्वता जारी करके पूर्वाका सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नार्माल में 30 दिन की अविधि, जो भी श्रनिधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका अविधिनों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास
  निखित में किए जा सबेग ।

स्वध्यक्तरगः--इसमें प्रपुक्त शब्दो शीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के झड्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थं होगा, जो उम झड्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

शामचोरानी गांव में 28 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2567 सितम्बर 1978 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी होशियार-पुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 2-4-1979 :

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भटिडा भटिडा, बिनांक 2 अर्जन 1979

निर्देश सं० ए० पी० एस० 3 9/एनडब्ल्यूएस/ 79-80-यत मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो सालमपुर में स्थित है श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवा शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरिधियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धिनियम के भिष्ठीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत :---

- 1. श्री बख्जी दारा, णादी, नसीब जोगी पुतान सिबो पुती पुहुड़ा गात्र सालमपुर तहसील गवा शहर। (ग्रन्तरक)
- श्री रक्खा पुत्र क्लीग्रा राम श्रीर गुरपाल पुत्र रक्खा गांव बह्लुर कलां तहसील नयां शहर।
   (ध्र तरिती)
- 3. जैंसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीतत सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाव में प्रकागन की नारीब से 45 दिन की प्रविध या तत्मस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मालमपुर गांव में 67 कनाल 5 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं ० 3016 सितंबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भटिंडा

तारीख: 2-4-79

प्ररूप माईं∙ टी∙ एत∙ एस∙-----

धावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज, भदिदा

भरिडा, दिन व 2 ग्राप्रैल 1979

निर्वेश सं० ए० पी० 540/एम० जी० ए०/79-80——यतः मृक्षे,पी० एन० मिलक,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

भ्रौर जिसकी स० जैमा कि भ्रन्सूची में लिखा है। तथा जो बाधा पुराना में स्थित है (भ्रौर इसमे जपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तित बाजार सून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्तित बाजार सूक्ष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्नविक रूप से कथित नपीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिश्चित्यम के अधीन कर दैने के भ्रम्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स्व) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ज की अपवारा (1) अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात्:—-4—46GI/79

- श्री संत गुरमेलसिंह पुत्र प्यारा सिंह पुत्र किशन सिंह वासी बाधा पुराना (श्रन्तरक) ।
- 2. श्री सुखमिन्द्र सिंह, नरसेम सिंह पुत्रान हरजीत सिंह, सतिबन्द्र सिंह हकुमत सिंह, पलिबन्द्र सिंह पुत्र हरी सिंह वासी श्रालमवाला नजदीक बाधा पुराना । (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त मध्यक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वकाकिरण :---इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिक्षित्यम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

बाधा पुराना गाव में 23 कनाल 8 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 5319 अक्तूबर 1978 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भटिश्रा

**तारीख 2-4-1979** 

प्रक्ष ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ममीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 2 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 5 4 1/एनडब्लूयू एस/7 9-80—-यनः मुझे पी० एन० मलिक,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कट में स्थित है (भौर इससे उपाबब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितंबर 1978

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका पन्तरण जिवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दादित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: धीर/बा
- (स) एमी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रनिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रभाजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं; उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:—

- श्रीमती गुरमीत कौर पुत्री बख्शीश सिंह, प्रीतम सिंह पुत्र बख्शीश सिंह गांव कट तहसील नवांशहर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरमेज सिंह पृत्र चैन सिंह गांव कट तहसील नवां शहर । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रहधोस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूत्रता जारो करके पूर्वोक्त सम्मति कं प्रजीन के लिए नार्यवाहिया करता हं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के मंग्रध में काई भी आक्षोप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तत्स्संबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तिया में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अस्य अ्यक्ति द्वारा, मधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जा उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठयाय 20क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## प्रमुख्यो

कट गांव में 16 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2863 मितम्बर 1979 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी नवांशहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भटिडा

तारीख: 2-4-1979

प्ररूप भाई० टी• एन० एस•--

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के धधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज कार्यालय भटिंडा भटिंडा, दिनांक 6 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 542/बिट/7 9-80—यतः मेझे जी० एन० मलिक

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रिष्टिक है

भौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो भटिण्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से धाधक है और यह कि धन्तरक (धन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से स्थल बग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रम्नीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी बन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रवः, उन्तः भविनियमं की बारा 269-गं के भनुसरण में में, उक्तः भ्रधिनियमं की धारा 269-वं की उपबादा (1) के प्रक्षीन निम्नतिश्वितः व्यक्तियों, भ्रात्:---

- 1. श्री धन्नामिस पुत्र शरण सिंह पुत्र मन्तोष मिद्धारा धर्म पाल मकान न० 392, विल स्टेशन भटिण्डा) (ग्रन्तरक)
- विमला देवी उर्फ क़ुब्ना देवी पत्नी 4 वन कुमार गोयल द्वारा ग्रमर नाथ गोपाल, गोपालल टैक्सटाइल, डाक वाजार, भटिन्डा) (ग्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 के लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके स्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)

 को व्यक्ति सम्पत्ति में किन रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकागन की सारीब के 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण:--इमर्मे प्रयुक्त शक्तों सौर पदों का, जो उक्त सिनियम के स्राप्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा अं उस प्रध्याय में विया गया है।

# धनुसूची

प्लान नं० 64, पावर हाउम रोड भटिण्डा जैसा कि विलय न० 3073 ग्रगस्त 78 रजिस्ट्री कत्ती ग्रधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज भटिंडा

तारीख 6-4-79 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 543/MKT/89-80---यतः मुझे जी० एन० मलिक

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो घोसेबाल में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय मुकत्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख जनवरी 1979। को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
  - (का) ऐसी किसी माय या किसी घन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम या घन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, ग्रव, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, म, उक्त ग्रिधिनियम की बारा 269-म की उपनारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयातः---

- 1. श्री जसमेर सिंह पुत्र सुखासिह पुत्र सुहेल सिंह मु॰ त्यारमा पात श्रीर गृत्री मेहर सिंह पुत्र हरीसिह गान लोखा खुरद, जीरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगरूप सिंह पुत्र केहर सिंह पुत्र हरीसिह शान थान्डेवाल, मुक्तसर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(ग्रन्तरिती)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)।

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के श्रर्जन के निये एतवृद्वारा कार्यवाहिया सुक्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्मस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगन्न में प्रकाशन की नारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
  पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# **ग्रनुसू**ची

धान्डेवाल गांव में 43 में 1430 कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2697 जन 1979 रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी मुक्तसर लिखा है।

> जी० एन० मिलक सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज भटिंडा

धारीख 6-4-1978 मोहर: प्रकप आई. टी. एत. एम.----

গাওকर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ক\ খাব

269 घ (1) क ग्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज कार्यालय दिनांक 6 ग्रप्रैल 1979

निर्देण सं० ए०पी० 544 / /79-80—-यत मुझे जी०एन० मलिक

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सद्धम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- क्पबें से प्रधिक है और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में खिखा है। तथा जो कोटक्पूरा में स्थित है (श्रीर इससे उबावद अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के वार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जन० 1979

को प्रधावन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए घरनारित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है धौर घरनारक (घरनारको) धौर घरनारिता (घरनारितायों) के बीच ऐसे घरनारण के लिए तय पाया गया प्रतिकक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक इष्य से कम्त अन्तरण निखित में वास्तविक इष्य से कम्त अन्तरण निखित में वास्तविक

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के घषीन कर देने के घस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविष्ठा के सिए; और/पा
- (ख) ऐसो किसी पाय या किसी घन या ग्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्न प्रधिनियम की घारा 289-ग के प्रनुसरण में में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थातः

- मेजर सिह पूज चाव मिह पुत्र बलबीर मिह कोटकपूरा
   तह० फरीदकोट (ग्रन्तरक)
- 2 गुरू नेग बहादुर बथा द्वारा मुख्यार सिंह पुत्र जगरूप सिंह पुत्र केहर सिंह वासी कोट कपूरा (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि न० के लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का प्रहिन् बना जारी करक पूर्वोस्त उम्पत्ति के प्रार्थन के लिय कार्यवाहिया करता हु।

उबन सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर मूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नागीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी प्रत्य स्थिति द्वारा मधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्राब्दीकरण ----इसम प्रयुक्त शब्दा धोर पदा का, जा उक्त धीछ-नियम के घध्याय 20-क में यथा परिभाषित है. वहीं सर्थ होगा जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## प्रमुख्धा

कोटकपूरा गाव में 34 म 6 म कृषि भूमि जमा कि विलेख नं० 2918 जनवरी 1979 रजिस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी फरीकोट में लिखा है।

> जी० एन० मलिक मक्षम ग्रिधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज

तारीख 6 श्रप्रैल 1979 मोहर : प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, भटिंडा

दिनांक 6 अप्रैल 1979

निदेश मं० ए०पी० 545/FDK/79-80—⊶यत मुझे पी०एन० मलिक,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्राम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ० से अधिक है

स्रीर जिसकी व सं जैसा कि स्रन्यूची में लिखा है। तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रन्यूची में स्रीर पूर्ण अप में विणित है). रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के बायिलय फरीकोट में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज र मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बोच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निवित्र में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रवं, उनतं अधिनियमं, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, भ्रथीतः—

- 1. श्री मेजर सिह पुत्र चांद सिंह पुत्र बन्नबीर सिंह गांव कोटअपुरा तह० फरीदकोट (ग्रान्तरक)
- 2. मैंस० जय नुर्गा भहता द्वारा हुक्म चन्द पुत्र गुरनदिता मल पुत्र छन्दा राम गांव पूटर, मोगाः (अन्तरिनी)
- ं जैसा कि नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके फ्रिधित सोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो० व्यक्ति समात्ति में रुचि रखता है। (बहु व्यक्ति जिनके बारे में अयोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त स्माति के प्रशंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इन मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूलना की नामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में निक्ता व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूबना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रष्टोहस्ताक्षरी के पास निखिन में किए जा सकोंगे।

राध्झोकरण :--इन्हें नयुक्त शब्दों मीर पदौं का, जो उक्त प्रतिविधन के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है नहीं नहें होति का उस प्रध्याय में दिया गना है।

# **प्रनु**सूची

कोटकपूरा गांव में 34क-2म कृषि भूमी जैसा कि विलेख नं० 2917 जनवरी 1979 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज

तारीख 6-4-1979 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिडा

तारीख 6 ग्रप्रैन 1979

निदेश मं० ए० पी० 546/GDB/29-80——यत: मुझे पी० एन० मिलक आयकर स्वितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है जो गिटडब।हा में स्थित है (श्रीरडमसे उपाबद अनूसूची म श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय गिदड़ बाह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिक्षक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों), के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ग्रम, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमु-सरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. श्री नत्थू राम प्त्न मिलखीराम पुत्र लधुमल, गिदङ बाह (ग्रन्तरक)
- 2 विजय लक्ष्मी पत्नी डा० राजकुमार जिल्दल, धर्मणाला चौक, मैल वजार गिवडबाही (प्रत्तरिते)
- 3 जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके श्रय्धि-भोग में सम्पत्ति है)
- अो व्यक्ति सम्पत्ति में किन्न रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भाड रोड, गिद्धडबाहा में 3 दुकान जैसा कि विलख नं० 940 ग्रक्तूबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिथिकारी गिट्डबाहा में लिखा है।

> जी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज

तारीख: 6 श्रप्रैल 1979

मोहर

प्ररूप माई० टो० एन० एम०-------

गायकर **म**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्या नय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रें अ भटिखा

भटिडा, दिन<sup>र</sup>क 6 ग्रप्रैल 1979

निर्देश सं० ए०पी० 541/MGA/79-80—-यतः, मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु मे प्रधिक है और जिसकी संज जैसा कि अनुसूची में जिकरर है। तथा जो मोगा म स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यावय, मोगा में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त मनाित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया बिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्नविक स्प में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण में हुई किसी प्राय की बाकत, उकत प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः भ्रव, उन्त ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के मनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :——

- श्रीमती पृष्पा रानी पत्नी भगवान दास वासी त्यु टाउन मोगा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री क्रपाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह ग्रीर हरजीत कीर पत्नी कृपाल सिंह वासी मुहाबपुर तहसील तरनतारन । (श्रन्तरिती)
- 3. जैसाकि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति से कृचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यहसूचना जारी हरके पूर्वोकन सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

जनत सम्याल के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में यथा परिभावित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में विवा गया है।

## अनुसूची

मोगा जीत सिंह में एक गोदाम जैसा कि 1/3 हिसा जैसा कि विलेख नं ० 5175 सितम्बर 1978 रजिस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी मोगा में सिखा है।

पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख[: 6-4-79 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > अर्जन रेंज, भडिडा

भटिंडा, विनक्त ६ श्रप्रैल 1979

निर्देण सं० ए० पी० 548/MGA/79-80--प्यतः मुझे पी०एन०मलिक

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से भ्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूधी में लिखा है। तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनूसूधी में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री हर्ता श्रिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रीयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा अंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा, 269 ग के मनुसरण में मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1), के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत् — 5—46GI/79

- कुमारी जिपुत्री गंगा राम वासी स्य टाउन भौगा (ग्रन्तरक)
- 2 कुमारी बरिन्द्र कौर पुत्री धर्म मिह पुत्र नद सिह है। धर्म सिह नन्द सिह पुत्र गंगा सिह वासी कोठी नं० 11 खालमा कामिज ग्रमतसर। (श्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि नं० 2 मे है। (बहु व्यक्ति जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पति में रूचि रखता है (बह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहसम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वी हत सम्मत्ति के श्रर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के संबंध में कोई भी आक्षी: ---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन को तारी ब मे 45 दिन को अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो प्रव्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इप सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी का में 45 दिशा के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रशोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित ह, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

# अनसूची

मोगा जीत सिंह में एक विलंडिंग का 1/3 हिस्सा जैसा कि विलेख नं 5174 सितस्बर 1978 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

पी० एन० मिलक मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख: 6-4-1979

मोहर '

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज

भटिंडा, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निदेश मं० ए०पी० 549/MGA/79-80-----यतः मुझेपी० एन० भनिक

भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से भ्रिधिक है

श्रोर जिसकी मं० जैसा कि श्रन्मुची में लिखा है ! तथा जो मोग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रव्मुची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्चा श्रिधकारी के कार्यालय मोगा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन तारीख मितम्बर 1978 को

पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी मन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में उक्त भिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, भर्यात:—

- श्रीमती शीशा रानी पत्नी ग्रोम प्रकाण वासी न्यु टाउन मोगा (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बलवंत कौर पानी धर्म सिंह ग्रौर रजिन्द्र सिंह पुत्र धर्म सिंह कोठी नं० 11 खालमा कार्यालय अमृतमर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
  भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिष में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : इसमें अयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

# अन्सूची

मोगा में एक बिलडिंग गोदाम जैसा कि विलेख तं० 5173 सतम्बर 197९ रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मिलक मक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, भटिंडा

तारीखा: 6-4-79

प्ररूप भाई० टी• एन० एस∙----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) कं श्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भटिडा भटिडा, दिनाक 16 श्चर्यैल 1979

निर्देश सं० ए०पी० 550/FZR/79-80--- मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दं से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजारं मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भिक्त है भीर भन्तरक (अन्तरको) और भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किया नहीं किया गया है —

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर बेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी पाय या किनी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त भिष्ठितियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिष्ठितियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों के अधीत:——

- श्री ठाकुर ग्रर्जन सिंह पुत्र ठाकुर सोहन सिंह फिरोजपुर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री श्रणोक कुमार, नरेण कुमार पुत्रान ज्ञान चन्द वासी फिरोजपुर। (ग्रन्सरिती)
- 3 जैसा कि नं० 2 मे है। (बहुव्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्मित्त मे क्वि रखता है। (यह व्यक्ति जिनके बारे मे अधोहम्बाक्षरी जानता है कि वह सम्मित्त में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके रूवोंका स्थिति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपन सभ्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी स्राक्षीप '---

- (क) इत सूवना क राजात में तकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकपण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो 'सक्त अधिनियम', के भव्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूचा

नमात मही कानावीत नीरिया महल्ला भे एक गम्पति जैसा कि विलेख न० 2981 अगस्त 1978 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पी० एन० मिलक सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण), ग्रजन रेज, भटिडा

तारीख: 16-4-79

प्ररूप माई• टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 29 मार्च 1979

निर्देश मं० सी० ए० 5/एस० ग्रार० हवेली/ग्रक्टोबर 78/437—यतः मुझे, श्रीमती पी० सलवानी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269—ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

श्रीर जिसकी संख्या फायनल फ्लार्ट ऋ० 477 बी०/1-ए० टी० पी० स्कीम ऋ० III है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण कपसे विणत है) रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार हवेली में, रजिस्ट्री करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्यसे कम के दृश्यमान शितिक के निष् ग्रन्तित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीमक है भीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में ग्रास्तिक रूर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए ; भीर/या
- (ख) ऐसी ितसी आय या ितसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत भ्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया या या िकया जाना चाहिए था, िछपाने में सुविधा के लिए ;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्तिलिखन अवितयों, अर्थान्:---

- (1) श्री युनायटेड कन्स्ट्रकशन कं०, 722-ए०-बी०/ 17, लक्ष्मी पार्क, पूना-30 (श्रन्तरक)
- (2) श्री मलोखा महकारी ग्रहरचना सोमायटी लि०, 477-बी०/1-ए०, शाहू कालेज रोड, 'पर्वती पूना-9 (ग्रन्तरिती)

को यहसूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्र**जै**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की स्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की स्रविध, को भी
  स्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति क्षारा मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वद्दीकरण —-इमर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त स्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रांपर्टी ' $\rightarrow$ -फायनल फ्लांट ऋ० 477 बी०/1-ए०/टी० पी० स्कीम ऋ०-III, पुना। क्षेत्र फल ' $\rightarrow$ -17-26 मीटर।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1817 दिनांक 16-10-1978 को मब रजिस्ट्रार हवेली I के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० सलवानी, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन,रेजपूना

तारीख: 29-3-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, पूना

पूना, 411005, दिनांक 29 मार्च 1979

निर्देश स० सी० ए० 5/एस० ग्राइ० हवेली /ग्रक्टूबर-78/438- स्यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भ्रोर जिसकी संख्या न्यू 667, सदाधिव पेठ, है तथा जो पूना 2 मे स्थित है (भ्रोर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार हवेली-। में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-10-1978

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित गहीं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, जक्त ग्रीधिनियम के ग्रिमी कर देने के ग्रन्तरक के बायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किया प्रायण किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम का धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रयीत :---

- (1) श्री मोमणा ग्रड नाटेकर, रिजस्टर्ड फर्म, 685, रिववार पेठ, पूना-2। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गजानन को-स्रापरेटिव हौिसग मोम।यटी लि०, न्यू० 667, सदाशिव पेठ, पूना-30 (म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्वाघ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि जो भी खबंधि बाच में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीक्ष से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जासकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो भौर पदो का, जा उक्त प्रधितियम, के भध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रॉपर्टी:---न्यू 667, सदाणिव पेठ, पूना-30। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1748 दिनाक 19-10-1978 को सब रजिस्ट्रार हवेली-I के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमती पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 29-3-1979

प्ररूप आई०टी० एन० एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनाक 29 मार्च 1979

निर्देश म० सी० ए० 5/एस० ग्रार० हवेली I/जाने०-79/439—यत मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, भायकर ग्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनयम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ग्रीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इपये से ग्रीधक है ग्रीर जिमकी संख्या प्लाट ऋ० 7 आफ सर्वे० ऋ० 110 नया 110 ए०) हिस्सा 1 एण्ड 9 ए० /2/2/2बी०/2बी०/है तथा जो हडपभर, पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब द ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार हवेली-I मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 2-1-1979 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिशिनियम, के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने में सुविधा के लिए;

चत: भ्रम, उनत श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के अबीन, निम्नलिखित स्थितयों, श्रमीत्।--

- (1) श्री पी० एच० हिगोरानी, 13, वीणा श्रपार्टमेटस, 776, भवानी पेठ, पूना-2 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गंगाधर मालण्या काकामणी, पन्ताट नं० 7, मर्वे ऋ० 110 (नया 110 ए०) एस० ग्रार० पी० रोड, पूना-13 (श्रन्तरिती)

को यर पूत्रा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध
  जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्किरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन श्रष्टमाय में दिया गया है।

# अनु सूची

प्रापर्टी :→-प्लॉट फ्र॰ 7, सर्वे फ्र॰ 110, नया (110 ए॰) हिस्सा फ्र॰ 1 9ए०/2/2/2बी०/2बी०, हडपसर, पूना-13।

क्षेत्रफल --- 936, 64 वर्ग मीटर।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 15, दिनांक 2-1-1979 को सब रिजस्ट्रार हवेली I के दफ्तर में सिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी, ॄसक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज, पूना

तारीख: 29-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙----

भायकर भ्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 29 मार्च, 1979

निर्देण सं० मी० ए० 5/एस० म्रार० हवेली I/नोव्हेंबर-78/440→-प्रतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, म्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के ग्रीधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मस्पति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये मे अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या सक्हें क० 24, सब डिक्वीजन क० 1 (पी० टी०) सक्हें० क० 24, सब डिक्हीजन पी० टी० एण्ड सक्हें० क० 25 ए० है तथा जो सदाणिव पेठ, पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार हवेली I में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिश्वनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, नारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पामा बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में गम्तविक का मे क्यान नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी धाय की बाबन, उक्त प्रधिनियम के घ्राप्तीन कर देने के धस्तरक के टायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐनो किसो भाय या किनो धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त भिर्मित्यम, की घारा 269-म के भनुसरक में, में, उक्त भिर्मित्यम, की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निवित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री गणेण तिनापक प्रकोलकर, विकास रविवार पेट, नासिक, श्रा रिंग पावर श्राफ प्रवी हास्टर, श्री अनत प्रवादास कुलकर्णी, कान्टिनेन्टल, विजय नगर कालनी, पुना-30 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुमुम दामोदर रानडे, 3 श्री प्रकाश दामोदर रानडे, 1643, मदाणिव पेठ, पूना-30
- (2) श्री मेसर्स मगेण मेलडीज प्रायव्हेट लि०, डाय-रेकटर श्री दयनाथ दिनानाथ मेगेशकर, प्रभु कुंज, पेडर रोड, बाम्बे-26 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उनत संगत्ति के प्रर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी वाक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाधित है, वही श्रष्ट होगा जो उम अध्याय में दिमा गया है।

# अनुसूची

बिगर खेलीकी जमीन → मर्व्हें० क्र० 24. सब डिव्हीजन क्र० [ (सर्व्हें क्र० 24. सब डिव्हीडन I(पार्ट) ग्रंड मर्व्हें क्र० 25 ए० मदाणिय पेठ पूना)।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख कि० 2506 दिनांक 27-11-1978 को सब रिजस्ट्रार हवेली 1 पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

श्रीमती पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख: 29-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०---

भ्रायकर भ्रम्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

# ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411005, दिनांक 29 मार्च 1979

निर्देश मं० मी० ए० 5/एम० स्राप्त ह्वेली-1/म्राक्टो/ 78/441—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

# रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फायनल प्लांट ऋ० 129, 130, 131, 133 सी० टी० एस० ऋ० 1398 एण्ड 140 बी०, हिस्सा पनवेल है तथा जो पनवेल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनूसची म ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि- कारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार पनवेल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रिक्त स्वर, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरिक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीज ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय, श्रायंकर श्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात् :---

- (1) श्री शामजी वै ाजी ग्रण्डकं०, 7, धीरवार्ता भवनम, 1 फ्लोग्रर, केशवजी नाईक रोड, पनवेल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हिरेन लक्ष्मीचंद शहा, जीवन ज्योत, बिल्डीग रेलवे स्टेशन के सामने धाटकोपर मुंबई अ० 86 (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी:---फायनल प्लांट कि० 129, 130, 131, 133 सी० टी० सर्वे कि० 1398 एण्ड 1402-बी०, 1395 बी०, 1395 ए०, 1404 ए० (पार्ट) सर्वे कि० हिस्सा क० 320 ए० 320 ए० पनवेल।

(जैसे की रजिस्ट्री कृत विलेख ऋ० 201 दिनांक श्रक्तूबर 1978 को सब रजिस्ट्रार पनवेल के दफ्तर में लिखी है)

> श्रीमती पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-3-1979

# प्ररूप धाई• टी• एन० एस०----

# भायकर मिष्टिन्यम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269ध (1) के मिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 4 श्रप्रैन 1979

निर्देश स० 1/79-80—यत मूक्षे, के०  $\overline{v}$ स० वेकट रामन.

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य, 25,000/- कर्म ग्रिधक है

स्रीत जिसकी मं० कुली जमीन है जो 3-5-876 हैदराबाद में स्थित है (श्रीत इसमें उपाबद्ध स्रन्युची में स्रीत पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के नार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के स्रिधीन स्रगम्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मृ मे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धीर भन्तरक (धन्तरको) धीर धन्तरिती (धन्तरितया) विश्व ऐसे धन्तरण के जिये तय पाया गया प्रणिफल, किम्तिजिया उद्दश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्तिजिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (५) ध्रत्यरण सं हुई किसी भाष भौ बावत उक्त जिल्ला नियम र भ्रष्टीन कर वेन के भ्रन्तरक के दायिस्व स कमी वरले गा उससे बचने में मृतिष्ठा के लिये; और/दा
- (ख) जेनी किया आय या कियो धन या प्रस्त प्रास्तियों

  हा निन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922

  1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर

  र्ग निन्न, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे
  अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
  जाना बाक्ष्ण था, छिपाने में मुनिधा के लिबे;

भतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रगुसरण म, मै, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्ननिखित अनितयों भ्रधीत्:—— 6—46GI/79

- (1) श्री कलाण चेरन पोता महाबीर परणाद घर नं० 8-2-626/6 रास्ता ने-1 बनजारा हीलस, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) डाकटर-यम रवीन्द्रानात रेडी, बापूदेपली जडचेरला, महबूबनगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचा। जारी करके पूर्वीका ख्रमम्पात के अर्ज । के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजेन के सम्बन्ध में काई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी ब्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की ताराख सें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़
  किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंग।

रपच्छीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जा उक्त ग्रिशिनियम के मध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही ग्रयं होगा, जा उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुली जमीन घर ने 3-5-874 हैदराबाद, (प्लाट नं० 10 वीस्ते। 335 वर्ग यार्ड) रजीस्ट्री दस्तावेज ने० 3319/78 उप-रजीस्ट्री कार्यालय हैद्राबाद।

> के० एस० वेकट रामन सक्षम श्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख . 4-4-1979 मोहयर प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यानय, स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निर्देण मं० ने-2/79-80--यत मूझ, के०एम० वेंकट रामन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रित, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 21-2-121 ता-131/2 है, जो गूलजार होज हैद्राबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध प्रनूसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हुदबौली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन श्रगस्त, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त घन्तरण लिखिन में बाम्नविक रूप से कियत नहीं किया गया है —

- (क) घम्तरण में हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिश्विमयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा में सिए;

ग्रतः पद, उक्त भिधिनियम की धारा 269ग के ग्रमृसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के श्रधीन, विस्वितिका स्पिनियों ग्रवीत् :---

- (1) श्रीमती ककमीनी बाई, घर-15-497 पीलकाना हैद्राबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनगत राय पीता मूरारीलाल (2) मोमर्स पतेजन्द्र उम प्रकाण 21-2-109 चार कमान हैद्राबाद (3) बालकीशन रद्राबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोह-नाक्षरी के पाम लिखित में किये जा मकेंगे।

हपक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उकत ग्रिष्ठ-नियम के श्रष्टमाय 20क में परिभाषित हैं, बही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

# अमृसूची

घर नेब 21-2-121 ता०-131/2 गूलजार होज हैदाबाद वीस्तेन 1122 वर्ग यार्ड रजीस्ट्रो दस्तावेज ने 917/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हुदबौली में

> के० एम० वेंकट रामन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख: 4-4-1979

प्रकप आई० टी० एन०एस०-----प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
289थ (1) के स्थीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 श्रप्रैल, 1979

निर्देश सं० ने-3/79-80——यतः मूझे, के० एस० वेंकट रामन

भायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० 1-2-524/3 है, जो कुली जमीन घर का दीमलगूजा हैदाबाद में स्थित है श्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, हैद्राबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन श्रगम्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पनद्वह प्रतिशत धिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अग्य ध्रास्त्रियों को, जिक्हें भारतीय ध्राय-कर ध्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत ध्रिधिनयम, या धन-कर ध्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे ध्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण भें, उक्त श्रिष्ठिनियम, की घारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- (1) श्री स्वास्तीक बूलजैंसी 1-2-524/3 दीमलगूडा, हैद्राबाद (ग्रन्तपक)
- (2) श्रीमती पदमा येस याटीया (णनतीनीकेतन), 27, वेस्ट मिरङपली सीकीन्द्राबाद (ग्रन्तिरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्न सम्पक्ति के भर्जन के लिए कार्यवादियां करता हु।

उक्त सध्यत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भ्रवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना कं राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त भग्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मलगी नं 13 सागर बी विषय नं 1-2-524/3 दीमल गूडा हैद्राबादा वीस्तेन 316 वर्ग पीट रजीद्री दस्तवंज नं 3138/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैद्राबाद।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्रधिकारी, महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 4-4-1979

प्रक्ष प्राई० टी० एन० एम०----

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 श्वप्रैल 1979

निर्देश स० ने 4/79-70—यत मूझ, के० एस० वेकट रामन,

राभ, आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से श्रीधक है

श्रीर जिसकी सं मलगी ने 14 है, जो 1-2-524/3 दीमलगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण छप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितक के निए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिकत के निए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिकत्त में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिगत श्रीक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तिनो (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरम में हुई किना भाष की बाबत उक्त प्रिक्षित्यम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी बन या श्रन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर धिवियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम पा धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्का के लिए;

धतः धव, उत्ततं प्रधिनियमं की धारा 269—गं के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रक्षिनियमं की धारा 269—णं की उण्धारा (1) धंधीन निस्तिक्षितं व्यक्तियों, प्रधीतं ---

- (1) स्वास्तीक बूलडर्स, 1-2-524/3, दीमलगूड हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमर्ता पदमा येम बटीया पती शापती लाल बाटीया (शनतीतिकतन) घर न० 27, वस्ट परिडपली, मिकीन्द्राबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के **प्रजं**न के लिए कार्यवाह्या करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की धनिधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिधि, जो भी धनिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितमम के ग्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मलगी ने 14-सागरवू घर नं० 1-2-524/3, दीमलगुडा हैदराबाद, रजिस्द्री दस्तावेज न०-3139/78, उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदरबाद में।

> कें० एस० वेकट रामन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख : 4-4-1979।

मोहर.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 श्रप्रैल 1979

सं० 5/79-80—पत: मुझे के० एस० वेकट रामन श्रायकर श्रिष्ठितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाश्वात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एपए से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कमरा नं० 116 है जो 1-2-534/3 डामल-गुड़ा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्रत श्रविकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिशित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 श्रगम्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम य धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुमरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. धर्यातः --- (1) स्त्रास्तिक बिल्डर्स 1-2-524/3 डोमलगुडा हैधराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्री रतनामाला घर नं० 15-5-671 मारोक बाजार, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पढ़ों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषे होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

#### वनुसची

कार्यालय कमरा न० 116 पहली मजिल पर मागर का धर नं० 1-2-524/3 डोमलगुडा हैदराबाद र्राजस्ट्री दस्ता-येज न० 3142/78 उप रजिस्ट्री कार्याक्षय हैदराबाद में।

> के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1979।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रविनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 अप्रैल, 1979

सं० 6/79-80—यत मुझे के० एस० वेकट रामन, ग्रायकर भ्रिम्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिमियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रिम्रीत सभ्रम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपयें से ग्रिमिक है

श्रीर जिसकी स० 115/पहली सता पर है, जो घर नं० 1-2-524/3, डोमलगुडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्या से विणत है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 78 को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत्न के तिए अन्तरित को गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कार्य है कि यथायुवांक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर श्रिक्त से भिषक है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण खिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसी भ्राप की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य भ्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रीयकर श्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रीधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :--- (1) स्वास्तिक विलंडर्स, 1-2-524/3, डोमलगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबाई, पत्नी एस० ल्लिमहया, घर नं० 14-2-332/13, ज्ञान बाग, हैदराबाद।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन पशानि के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मजिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इत स्वता के राजग्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध िना पत्प व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा गया है।

#### धनुस्ची

कार्यालय नं० 15 पहली सतापर सागर बु० घर नं० 1-2-524/3, दीमलगुडा हैदराबद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3141/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस०वेंकट रामन, सक्षम ग्रघिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-4-1979।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० --

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, 9 अप्रैल, 1979

मं० 7/79-80—यत मुझे के० एस वेंकट रामन, गयकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उन्ने प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के छिति सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि यादर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६०। प्रिधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० एफ०सी० 9 है, जो सागर बु मकान, इदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिनारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अगस्त, 1978 को

्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल है लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण . कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान :ितफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है .ौर अन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के विष् तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से .क्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिवस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, जक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्राप्तीन निस्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--- (1) स्वास्तिक बिल्डर्स, 1-2-524/3 डोमलगुडा हैदराबाद।

(भ्रन्तरक्)

(2) श्रीमती भ्रम भ्रनुराधा राउ मकान नं० 3-4-379, लिग।मपल्ली, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतक्कारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

दुकान नं० एफ०सी० 9 सागरवु० मकान नं० 1-2-524/3, डोमलगुडा हैवराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2140/78, छप-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

> के० एम० वेकट रामन, मक्षम प्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद.

तारीख: 9-4-1979

अस्प माई॰ टी॰ एन॰ एस•----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायक्र श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिन'क 9 स्रप्रैल, 1979

मं० 8/79-80—-यतः मुझे के० एस० वेकट रामन, प्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की श्वारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर समानि जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भीर जिसकी गं० मलगी नं० 205 है, जो सागर वु मक्षान है बराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृह्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और सन्तरक (मन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निणिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निख्य में बास्तिबक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसो आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐमा किसी था या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिस्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनियम, या धन कर घिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में में उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्।— (1) स्वास्तिक बिल्डसं, 1-2-524/3, डोमलगुडा, हैदरबाद (

(भ्रन्स्तक)

(2) श्री तेराला वेकटण्यरलु, 1-1-164, भ्रलैंक्जैडर रास्ता, सिवन्दराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यति क पर्जन के संबद्ध में कोई भी प्राप्तप --

- (क) इस मृजना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारी खंसे 45 दिन की प्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामी स से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में से शिमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबक् किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, सधोहस्ताक्षरी के पास निख्यित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षो का, त्रो उक्त श्रिष्ठित्तियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भवं होगा, त्रो उस सध्याय 🖫 विया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय कमरा नं० 205, दूसरी मंजिल पर सागर वु-मकान नं० 1-2-524/3, डोमलगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3143/78, उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम स्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 9-4-1979।

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269--भ(1) के भ्रभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 म्रप्रैल 1979

सं० 9/79-80—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 204 है जो मागर वु मकान में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैरराबाद में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्मिल के उभित बाजार मूल्य के कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भिक्षित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम या धन-कर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त भिक्षितियम की धारा 269—ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रीक्षितियम की धारा 269—व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, भर्योतः—— 7—46 GU79 (1) स्वास्तिक बुलडसे घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तेराला सरोजीनी पती वेंकटेश्वरन 1-1-164 श्रलंकजनडर रास्ता सिकन्दराद्याद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घार्श्वपः---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से के 45 दिन की सर्विद्य या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विद्य, जो भी सर्विद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाचीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 204 सागर वु-मकान नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3144/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षय प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज, **हैदराबाद**

तारी**ख**: 9-4-1979।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षीण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 म्रप्रैल 1979

सं० 10/79-80-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से **प्रधिक है** ग्रौर जिसकी सं० 3-5-420/1 है, जो हीमायत नगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनूसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19 ग्रगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृक्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल 🖣 जिए मन्तरित की गई है सीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किया थाए या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाके में सुविधा के लिए,

धतः धव, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिवनियम की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमती आहान श्रारा बेराम, घर सं० 3-6-420/1, गली नं० 3, हीमायत नगर, दरहै।बाद।
- (2) श्रीमती सईषा नसीरा घर नं० 3-6-420/1, हीमायतनगर हैदराबाद। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पड़ों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभावित हैं, वहीं प्रथं होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का सता का घर नं० 3-6-420/1, जिसका माग है। वस्तावेज 247 वर्ग यार्ड हीमायतनगर हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज सं० 3014/78, उप-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-4-1979

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

अ(यकर प्रधितिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रप्रैल, 1979

सं० 11/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के भधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- के संधिक है

धौर जिमकी सं० मर्वे नं० 71 श्रौर 66 है, जो करनूलपंटा करनूल में स्थित है (धौर इससे उपावक धनूसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन श्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि य गपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है ओर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस इहेश्य से चक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है—

- (क) प्रश्तरण में हुई किसी भाय को बाबत उक्त प्रश्निनियम, के भ्रधीन कर देने के प्रश्तरक के बायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (च) ऐंसी किसी पाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

श्रत । सब, उन्त प्रश्चितियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, में, उन्न प्रश्चितियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के प्रश्चीन, निज्निविद्यात स्पन्तियों, सर्वोत्।--- (1) श्री यू० म्रार० सीदेश्वराप्पा, पिता म्रपमी पंवा नागप्पा, करनूल।

(भन्तरक)

(2) 1. श्री जी० यं रहीम, 2. रेड्डी महमद, 3. हुसेन ग्रस बी० ग्रो० सोसायटी, करनूल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी का स 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

3 एक **इ खू**ली जमीन सर्वे नं० 71 ग्रौर 66 में है, करनूलपंटा करनूल में है रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 2170/78 उपरिजस्ट्री कार्यालय करनूल में है।

> कें॰ एस॰ वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-4-1979

प्ररूप भाई • टी गन • एस • ———— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के धर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैक्राबाद

हैवराबाव, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

सं० 12/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० बी/2एफ-4 है, जो धीरामली लेन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के यूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वावत जनत प्रक्ति प्रक्रिक नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन निःनीनीका व्यक्तियों प्रयोत् :-- (1) श्रीमती पुगपलता पारमर, एसोसिएटेड बिलडर ग्राबीद रास्ता, हैदराबाद।

(बन्तरक)

(2) श्रीमती सकीना बशीरीवीन श्रोमद, 11-4-169/8, बजारगाट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थायर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

### प्रमुस्ची

प्लाट नं० बी-2/एफ-4, पुनम भ्रपराट मेंनट धीरारमली लेन हैदराबाद में रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 3070/78 उप-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 12-4-1979।

### प्ररूप धाई• टी॰ एन• एस•---

आयकर प्रसितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 12 श्चर्पेल, 1979

निर्देश सं० 13/79-80⊷-यतः मुझो, केः० एस० वेंकट समन,

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिबिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिबीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से मिबिक है

भीर जिसकी सं० 5-9-30/1/40 एण्ड 40ए० हैं, जो बशीरबाग स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदाराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन श्रगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कच्चित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचन में सुविधा के लिए। भौर/या
- (धाः) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सुरजीत सीनरा लामबा, 5-9-30/1/40 श्रीर40 ए० बशीर बाग हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ईश्वरी बाई, पहिन कानधेनद (2) श्री लेकराज पिता कानधेनद, हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना त्रारो करके पूर्वीन सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
  मूचना की तामील मे 30 दिन की भविधि, जो भी
  पविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दां भीर पर्दो का, जो उक्त प्रधितियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही धर्च होगा जो उम शब्दाय में दिया गया है।

### अमुसूची

खाली जमीन श्रौर घर नं० 5-9-30/1/40 श्रौर 40 ए० बशीरवाग के पास है रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 3382/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय येग जो मारकोट हैवराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 12-4-1979 मोहर:

### प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाव, दिनांक 12 ग्रप्रल, 1979

निर्देश सं० 14/79-80---यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- इपये से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भाग 3-4-178 है, जो लीमगय पली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख

(1908 का 16) व अधान ताराख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीविनियम के ग्रीवीन कर देने के भ्रन्तरक के बायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) एसी किसी घाय या किसी घन या भन्य घास्त्रयों की, जिन्हें भारतीय घायकर ध्रिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत घिष्टिनियम, या धन-कर घ्रिष्टिनियम, या धन-कर घ्रिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः झब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्मानिकत व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्री सीताराम ग्रपधल पूरकर 3-4-178 लीम रामपली, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री सी॰ पदमावती पत्नि डाक्टर लशमना राय 3-4-178 लीनरामपली हैदराबाद, (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्क्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बद्ध किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरें।

स्पच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधितियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयें होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

घर का भाग के 3-4-178 लीनरामपली हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं 0 3091/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, हैवराबाद

सारी**ख**ं 12-4-1979 मोहर प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 12 ग्रप्रैल, 1979

निर्देश सं० घार० ए० सी० नं० 15/79-80—यतः मुझो, के० एस० वेंकट रामन,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 6 प्रेमिसेस नं० 5-8-524 है, जो जगवीण मार्केट हैदराबाद स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन म्रगस्त 1978 में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निखित में वास्तविक क्य से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व वें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अक्षः अब, उक्त अधिनियम, की आरा 269का के अनु-संश्व में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269का की उपधारा (1) के अधीन निम्मविक्ति व्यक्तियों, अर्थात्।—~

- (1) श्रीमती लक्कमी बाई पन्नि जगदीण परशाद मकान नं० 21-1-293, रिकाब गंजि, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मास्टर रमेण क्मार रतनलाल (जी०पी०ए०) मकाम नं० 21-1-281, धानमी बाजार, हैदराबाद (श्रन्तरिती)
- (3) श्री गोधिवराज राष्ट्रमल मुखि, दुकान नं० 6, 5-8-524 में, जगवीश मार्केट, हैदराबाद (बह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्येबाहियां करता हूँ।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बुकाम नं० 6 प्रेमिसेस नं० 5-8-524, जगवीण मार्केट हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3359/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय मोहंजाहि मार्केट, हैदराबाद में।

के० एस० बेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-4-1979

मोहरः

प्रारूप माई• टी• एम० एस०------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-ण (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैसराबाद

है्दराबाद, दिनांक 12 भ्रप्रैल, 1979

निर्देश सं० 16/79-80---यत मुझे, के० एस० वेंकट-रामन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-8-520 व 520/1 भाग शाप नं० 6 जोधीरागली लेन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1978 की

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्थ्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरिक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाक्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्रायकी बाबत उक्त भिक्क नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खन-कर भिर्धानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया स्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मै, उक्त अधिनियम की सारा 269-घ की उपधारा (1) के ससी।, ीम्निनिबित अधिनायों, अर्थात्:——

- (1) श्री तारामनी पहिन गीरीराज गोयल, 5-3-1053 शन्कर बाग, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) मास्टर रवीन्द्रा कुमार (मैनर) श्री रतन सासजी रकवाली 21-1-281 छानसी बाजार, हैदराबाद (श्रन्तरिती)
- (3) श्रीमती भी भारती बाई पत्नि राजेश राय, 5-8-520 धीरागली लेन, हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-यह किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—-इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जी उक्त श्रिष्ठितियम के अख्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्च होगा जो उस भन्याय में दिया गया है।

# प्रमुख्यो

मलगी नं० 6 घर नं० 5-8-520, 520/1 स्रौर 520/2 धीरागली लेन हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3360/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-4-1979 मोहर: प्रकप भाई० टी० एन । एस -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभ्रीन सूचना

भारत यरकार

कार्यालय, महायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनोंक 12 ग्रप्रैल, 1979

निर्वेश सं 17/79-80---यतः मुझे, के एस० वेंकट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3-6-291 का भाग है, जो हैदरगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रागस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से धिक है घोर धन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उष्टेश्य मे उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (का) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी फरने या उससे बचने में सुविचा के सिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किमी मात्र रा किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भश्विनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त चिंहितयम, या प्रन<del>-कर प्रधिनियम, 1957</del> (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुबिधा के जिए;

अतः, अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, में. उक्त धिष्ठितियम की धारा 269-व की उपद्यारा (१) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--8-46GI/79

- (1) श्री दीपक गंगाधर गदरी, 725 एस बी० नगर पुणे (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री परमजीत सिंह 2. जमबीर सिंह प्त्रगण हरभजन सिंह घर नं० 21-3-291 पेटलाबुरज हैदराबाद (श्रन्तरिती)
- (3) दी डायरेकटर बेक्षड क्लामिज वेलफेयर हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता है।

उनत संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी धाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों गर मूचना की तामील से 30 विन की प्रविधः जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक किसी भन्य भ्यन्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण:-इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भाष्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस धष्टमाय में दिया यवा है।

# प्रमुख्यी

घर नं० 3-6-291 का भाग हैदराबाद हैदरगुड़ा में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 3275/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-4-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269थ (1) के भिर्मन सुचना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 स्रप्रैल, 1979

निर्देश सं० 18/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

भायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त ब्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रूपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3-6-291 है, जो हैदरगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भागस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रम्लह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भड़ि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ज की उपछारा (1) के प्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों प्रथीत्:---

- (1) 1. गंगाधर बालकृष्णा गाधरे 2. वीपक गंगाधर गदरे, घर नं० 725 एस बी० नगर पुने (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह धर नं० 21-3-291 पेटलाबुर्ज हैदराबाद (श्रन्तरिती)
- (3) वी डायरेकटर बेकवर्ड क्लासिज वेलफेयर हैचराबाद (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर नं० 3-6-291 भाग है हैदरगुड़ा हैदराबाद रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 3276/78 उप रजीस्ट्री कार्याक्षय हैदराबाद

> के० एस० वेंकट रामन, मक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-4-1979 मोहर: प्रकप भाई। टी० एन। एस।---

मायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैषराबाद, दिनांक 12 श्रप्रैल, 1979

निर्देश सं० 19/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

भायकर भिष्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्मियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्मित सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क्पए से भिष्क है

भौर जिसकी मं० 2-1-487 से 487/3 है, जो नलाकुनटा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन अगस्त 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किश्रवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में
वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त श्रीवित्यम के श्रीवित, कर देते के धन्तरक के वायित्व में क्मी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी बन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, भ्रिपाने के सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 268-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के धनीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयत्ः—

- (1) डाकटर एम एस० डोनडे घर नं० 5-9-31/ए बशीरबाग हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पी० वसुनदरा पती स्वंगीय पी० पी० सूर्यराव 2. पी० वेन कटारतना करम पिता पी०पी० सूर्य राव घर नं० 3-4-257 काचीगुडा हैदराबाद (धन्तरिती)
- (3) श्री जी० सुर्य राव 2. के० रंगाराव 3. पी० मीहन राव 2-1-487 नलाकुनटा हैदराबाद

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम, के भव्याय 20क में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

#### **बन्**सुची

घर नं० 2-1-487, 487/1, 487/2, 487/3, नला-कुनटा हैदराबाद रजीस्ट्री घस्तावेज नं० 3100/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन, सक्षम स्रधिकारी । सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख · 12-4-1979 मोहर · प्रक्षप आई • डी • एन • एस • --- - पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 म्रप्रैल 1979

निर्देश सं० 20/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

प्राम्कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के प्रधीन महाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- वपये से प्रधिक है और जिसकी संव प्लाट नंव 4-1-938/प्रारव 6 से प्रारव 8 है जो तिलक रोड, हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रमुस्ची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, प्रगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सा एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण सं हुई किसी ग्राय को बाबत, उनन भिष्ठितियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) एना किना आप या किना घन या सन्य प्रास्तियो, का जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिविसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्दरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिक्षा के लिए;

अतः अव, उनन प्रधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन, में, निक्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) मैं समें श्री कृष्णा कन्स्ट्रवशन कम्पनी 5-8-612 ग्राबिद रोड, हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्री प्रवीप कुमार 15-9-60 महाराज गंज हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के सर्वत के संबंध में कोई भी पार्शेंप :---

- (का) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की मनिश्च या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 विन की मनिश्च, जो भो भनिश्च बाद में समाप्त होती हा, के भोतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इ.म. म्जना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्मित्त में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मन्नो हस्तानरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त मिक-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैट चौथी मंजिल पर 1354.80 वर्ग फुट है घर नं० 4-1-938/ग्रार०-6 ग्रीर 8 है। तिलक रोड हैवराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 2901/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-4-1979

प्र**रूप भाई • टी • ध्न •** एस •-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की घारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 श्रप्रैल, 1979

निर्देश सं० 21/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तुक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० 22-7-269/14 है, जो सालार जग देवडी हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राजमपुरा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रागस्त 1978

को पूर्वावत संपत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोवन सपिन का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के। ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण मे हुई किसी घाय की बाबत उक्त घछि-नियम के घधीन कर देने के घन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। घौर/या
- (ख) ऐसी किमी भाग या किसी धन या भग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भीष्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जावा काहिए था, किमाने में सुविधा के सिए।

भतः अब, उक्त मधिनियम की घारा 269 ग के मनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269 म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्मात्:---

- (1) मैंसर्स शाह बिल्डर्स, 22-7-279/3 दीवान वेवडी, हैदराबाद (मन्तरक)
- (2) श्री पुरशोतम दास पिता महाबीर परशाद 14-2-389 रकाबपुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करक पूर्वोक्त सम्पन्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के भर्जन के सबंध में कोई भी श्राक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में अकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधि या तरसबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र म प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबढ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्परहीक्करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदो का, जो उक्त प्रश्चित्रयम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस अहमाय में विधा गया है।

# **म**न्सूची

मलगी नं० 22-7-269/14 जमीन की सतह पर मालार जग मारकीट दीवान देखडी हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 2084/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय झाजमपुरा हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-4-1979

मोहरः

प्रकप भाई० टी• एन• एस•----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा

269 म (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 भ्राप्रैल, 1979

निर्देश सं० 22/79-80---यत मुझे के० एस० वेंकट रामन

भायकर भिधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० मलगी नं० 22-7-269 है, जो सालार जंग मारकीट हैयराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन अगस्त 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे भन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तं धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से ≢ित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किमी ग्राय की बावत उक्त ग्रीक्षित्यम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा(1) के अधीन, निम्निखिखत अ्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) मैंसर्स णाह बिस्टर्स, 22-7-269/3 दीवान देवडी हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हेमराज पिता रामराज 21-1-687 रीकाब गंज, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाषिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### धनुसूची

मलगी सालार जंग मारकीट दीवान देवडी हैदराबाव में रजीस्ट्री वस्तावेज नं० 2085/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय ग्राजमपुरा हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम मधिकारी सहायक आयकर प्रायकत (निरीक्षण) भजन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** ' 16-4-1979 मोहर प्रकप धाई• टी• एन• एस•---

भायकर मित्रियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 ग्रप्रल, 1979

निर्वेश सं० 23/79-80---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

मायकर पश्चिमियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्विनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रजीम सजाम प्रश्विकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित प्राजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रस्तिक है

ष्मीर जिसकी सं० प्लाट नं० 6-1-67/1/3 है, जो पब्लिक गार्डन रास्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, करताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन श्रगस्त 1978

1908 (1908 का 16) के प्राधीन अगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और प्रम्तरक (धन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेंच्य से उक्त प्रन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत उक्त ग्रिशियम, के भ्रधीन कर देने के अञ्चलक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किनी भाष या किसी वन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिष्ठित्रयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या धन-कर भिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मब उनस मिक्षिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपजारा(।) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:-

- (1) डाकटर मीर मसूद ग्रली 5-8-89 गदेशाल रानी कंपाउंड नामपरुली हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) विजय कुमार श्रस्थाना 31-4-726 कोका-की-टाटी हैपराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में कि जा सकेंगे।

स्पद्धी करन: — इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में पारभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जा उस प्रध्याय में विया गया है।

# मनुष्ची

'लाट नं० 6-1-67/1/3 दो मंजिले पर का भाग पश्चिलक गार्डन रास्ता हैदराश्वाद रजीस्ट्री दस्तात्रेज नं० 23/3/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय करताबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-3-1979

मोहर '

प्ररूप भाई• टी० एन• एस•──

मायकर मिवियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भागकर बायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद सम्बद्धाः १८ हार्वेदः १०८८

हैषराबाष, दिनांक 16 म्रप्रैल, 1979

निर्वेश सं० 24/79-70—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 क प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/— रुपये में भक्षिक है,

ग्रौर जिसकी सं० 22-7-269/15 है, जो वीवान देवजी हैयराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत प्रन्सूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्राजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 14-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरित (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का मिन्तलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि कि कि वा से से सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वत नहीं कि वा गया है:---

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ब्रिटिंग नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसो प्राय वा किसी धन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब चनत ग्रधिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, में, चन्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपबारा (1) के क्षप्रीन निक्निलिखित व्यक्तियों, अमृति:—

- (1) मीसर्स गाबुलडसं 22-7-269/3 वीवान देवडी हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्री राय कुमार पीता जीत मल 21-6-487 गनसी बाजार हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह मूत्रना तारी कर क पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की घबिंघ वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धबंधि, जो भी घबिंघ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्कावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्दो का, जो उक्त ग्रव्धिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्क होंगा को उस शब्दाय में दिया गया है।

# अमुसूची

मलगी नं० 15 घर नं० 22-7-269/15 सालार जंग मारकीट दीवान देवडी तदराबाद में रिजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2145/ 78 उप रिजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-4-1979 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—— ग्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 ग्रप्रैन, 1979

निर्देण मं० 25/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से धिधक है

श्रीर जिसकी सं० 22-7-269/46 है, जो दीवान देवडी हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्राजमपुरा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 1978 को

पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिस्रल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उक्त ग्रिविनयम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रीविनयम की घारा 269-भ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रभौत्:—— 9---46GI/79

- (1) मैसर्भ णह बुलडर्स, 22-7-269/3 दीवान देवडी हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राज कुमारी बाई पती रतन लाल 21-1-281 गमसी बाजार हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण: --- इसम प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त प्रश्वितियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# बन्सूची

मलगी नं० 46 घर नं० 22-7-269/46 सालार जंग मारकीट दीवान देवडी हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं 2267/ 78 उप रिजस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैवराबाद

तारी**ख**: 16-4-1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 भ्रप्रैम 1979

निर्देण स**॰** 26/79-80--यतः मुझे के० एस० बैंकट रामन

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-9-54/76 है, जो बगीर बाग हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिंवत बाजार मूल्य में कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्थ में कमी फरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती गौगीया बेगम पती मोमीत खान 22-3-441 मतडीमीर अलिम हैदराबाद (श्रन्तरक)
  - (2) श्री जी० मतय्या, जी० रगुनात, जी० ग्राननद घर पिता कीस्टय्याह नं० डी० 34, बनसीलालपेट सिकन्द्राबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की प्रतिध या तत्संबधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  प्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा घ्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, उक्त मधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

घर नं० 5-9-54/76 वनगरतीपुल बाग बशीर बाग हैदरा-बाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3264/78 उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी, महायक ग्राकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-4-1979

प्रकप भाई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 स्रप्रैल 1979

निदेश सं० 27ं79-80----यतः मुझे के० एस० वेंकट-रामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की 269-का के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- इपये से भक्षिक है ग्नीर जिसकी सं० 4-1-700 ता० 701 है, जो जामबाग रास्ता हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अगस्त 1978 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भी**र अन्तरक (धन्तरकों) घोर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त ग्राध-नियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रना आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रता, भरू, उन्त मिश्रिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त भिश्रितयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री श्रशोक राम राउ कीरातकर 12/12 शीवाजी नगर, पूने -4। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गन्गाबीणन गरदा 4-4-205 सुलतान बाजार हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जा उक्त प्रश्नि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

घर नं० 4-1-700 ता 701 जामबाग हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3491/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के०एस० वेंकटरामन, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-4-1979

प्ररूप माई० टी० एन• एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

निर्देश सं० 28/79-80---यतः मुझे के० एस० वेंकट

हैदराबाद, दिनांक 8 श्रप्रैल 1979

रामन
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है,
ग्रौर जिसकी सं० 206, 209,210 जमीन नं० है, जो
नाचारम गाऊ: हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध
प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-

कारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

ग्रिधियम, 1908 (1908 का 1) के प्रधीन ग्रगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिधिनियम, के भिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः प्रवं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा. (1) के अधीन निम्निअखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेजर महकद पंसानीदीन हुसेन 5~8-594 आबीद रास्ता हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) दी भीवारामा श्रीशणा कवापेरटु होसिंग सोमाइटी 12-5-12/2 वीजयापुरी तार नाका मिकन्द्राबाद (श्रन्तरिती)
- (3) दी एच० एम० टी० ऊहमग हीजीक्षा सोसैटी हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

2/5 शोयर है 78 एकर्स 30 गुनटा का ए० जीरायती जमीन है। सरवे नं० 206/4, 209, 210 211/2 वर्गरा के उसमें वीस्तेन है। 31 एकड़सी 20 गुनटा नाचारम गउ, मे रजीस्ट्री दस्नावेज नं० 3067/78 उप-रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-4-1979

प्रकप आई० टी० एन∙ एस•-

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 भ्रप्रैल 1979

निर्देश सं० 29/79-80---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु∘ से भिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 182, 184, 206/4 वर्गरा है, जो नाचारम गऊ, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रगस्त 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के यूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसक दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है पौर भन्तरक (प्रस्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी माग की बाबन उक्त अधिनियम के भ्रमीन कर देने के मन्तरक के वायित्य म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्बलियित व्यक्तियों, अर्थात् 1---

- . (1) महबुबुनीमा बेगम
  - (2) बगीरुलीमा बेगम } कोनम कीटी हैदराबाद (3) अप्रमह्नीसा बेगम } (अन्तरक)
- दी मीवारामा ऋषण क्वापरेटु हौसिंग सोसाइटी 12-5-12/2 वीजयापुरी तारनाका सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)
- (3) द्वीः ऐचः येमः टीः ग्रऊध्येम क्वापरेटु हौसिंग सोसाइटी, हैदराबाद । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधि-भोग से मंपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके दुर्वोक्त सम्पत्ति के धर्कन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्बन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धथिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: - इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के ग्रध्याय 20का में परिभाषित है, बद्दी भर्य होगा, जो उस धध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

3/5 वीयाग जीरायती जमीन 78 एकड़म 30 गुनटा मरवे न० 182, 184, 206/4, 192/1 वर्गैरा वीस्तेन 47 एकड़स 25 गुनटा नाचारम गाऊ रजीस्ट्री दस्तावेज न० 3075/78 उप-रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-4-1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1979

निर्देश सं 30/79-80-यत मुझे के एस० वैंकट रामन भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० 1-11-220/9 है, जो वेगमपेट मीकीन्द्रा-बाद हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सीकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के परद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर धर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे स्विधा के लिए;

द्यतः प्रव, उक्त मधिनियमकी धारा 2.69-ग के धनुसरण में, उक्त धिधनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-

- श्री छी० बी० रमनारेड्डी घर नं० 1-11-220/9, बंगमपेट हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री डाकटर येस० गोपाला कृष्णा 109 सरोजीनी-(भ्रन्तरिती) रास्ता सीकन्द्राबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घर्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियम', के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही चर्य होगा, त्रो उस घट्याय में विया नया है ।

# अनुसूची

धर नं० 1-11-220/9 बेगमपेट सीकीन्द्राबाद मे वीस्तेन 285 वर्ग यार्ड रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 1974/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय सीकन्द्राबाद में ।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-4-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैपराब।द, दिनांक 18 म्राप्रैल 1979

निर्देश मं० 31/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 18 है, जो 1-11-252/1 बेगमपेट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सीकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर
पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण
निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस उक्त भिक्षितयम के भिक्षीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों, की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भिविनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: घन, उक्त घिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त घिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित अयिक्तयों, प्रयात्:---

- (1) श्री मीसर्ग जम्मार रीयल स्टेट 54, नाल्तागुटा सीकीन्द्राबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मीरीगुरी रुकमाबाई 2-2-1122/3 नया नलाकुनटा हैदराबाद। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत मैं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रिधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त धिमियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

# घनुसूची

प्लाट नं० 18 घर न० 1-11-252/1 बेगमपेट, सीकीन्द्राबाद में है रजीस्ट्री दस्तावेज न० 2050/78 उप-रिजर्स्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

के० एम० वेंकटरामन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीज: 18-4-1979

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 म्रप्रैल 1979

निर्देश सं० 32/79-80--यत मुझे, के० एस० वेंकट रामन, कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से

अधिक है।

ग्रौर जिसकी स० सरवे नं० 157/7 है, जो नाकीटागड सीकीन्द्राबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन अगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के के लिए मन्तरित की गई है प्रतिफल विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वावत, उनत ग्रीध-नियम के भधीन कर देने से भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिषानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः ग्रब, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्णात्:---

- (1) श्री (1) के० चेलारेड्डी कुमार गुटा मीकीन्द्राबाद (2) के० यादी रेडी घर नं० 19-3-262/2 ए०, पलकनुमा हैदराबाद । (भ्रन्तरक)
- (2) मेस० इशवर रेडी तीकाटा गऊ सीकीन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्रत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचनाके राजपन में प्रकाशन की तारीखासे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुल जमीन वीलर नं० 3.35 येकसे सरवे नं० 157/7 तीकटा गाउ हैदराबाद श्ररबन नालुक में है रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 2126/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकन्द्राबाद में।

> के० एम० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

तारीख: 18-4-1979

प्ररू भाई • टी • एन • एस • -----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269य (1) ने भाषीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज बम्बई

बम्बई दिनांक 27 फरवरी 1979

निर्देण मं० ए० श्रार०-III/ए० पी० 285/78-79——अत: मुझे, वी० एस० शेपाबी,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रिक्षक है

प्रौर जिसकी सं० फर्नेंट नं० 3 प्राट नं० 424 10 वी० रोड चेम्बूर, सर्वे नं० 1273 (1 से 3) हैं नथा जो चेम्ब्र में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण कप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्चा श्रिधिकारी के कार्यालय, ब्रम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-8-1978 डाकुमेंट नं० एफ 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं भीर मुझे यह विश्वास करते का कारण हैं कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूप्यमान प्रतिफल को प्रमुद्ध, उसके दूप्यमान प्रतिफल को प्रमुद्ध, उसके दूप्यमान प्रतिफल को प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक हैं भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रनारितियों) के बोच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रनारितियों) के बोच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिक निम्तलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथिन नहीं खिया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-निथम के अधीन कर देने के भ्रष्टरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की बपधारा (1) अधीन निम्निचित क्यक्तियों, अर्थात्:— 10—46G1/79

- (1) श्री गांताराम लक्ष्मण मगुन (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सीता लक्ष्मी रामचन्दरन, राजलक्ष्मी राजणेखर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की भविधि या तस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
  भविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिन्न नियम, के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# ग्रमुखो

ग्रनुसूची जैमा कि विलेख नं० 899/78 बम्बई उप-रिजम्द्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 7-8-78 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० शेषात्री, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनाक: 27 फरवरी, 1979

# प्रारूप भाई• टी० एन० एस•-

# पायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

# भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3 बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० आर० III/ए० पी० 286/78-79—म्ब्रतः मुझे बी० एस० शेषाद्री,

अगयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे मं० 41 क ब्लाक ई० है तथा जो श्रीशिवरा गांव में स्थित है (श्रीर इममें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्रीकरण श्रिशिवयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीता, दिनांक 4-8-1979 विलेख नं० 6448/78 को पूर्वोका नम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिश्वत से भिधक है, भीर अन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर मन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी भाग की बावत स्वतः अधिनियम के भाभीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त भ्रविनियम, की घारा 269-ग के भ्रमू-सरण में;में, उन्त श्रविनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के बधी में, निष्निसिंख व्यक्तियों, अर्थीत्।—— (1) बीरामजी जीजी भाय प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. सतीण भाई डी० पटेल, 2. पुष्पा बेन डा० पटेल, 3. मनीभाई भाईलालभाई पटेल, 4. फकीर भाई सोमा भाई पटेल, 5. भास्कर भाई कें ७ पटेल, 6. विनंती वेन कें ० पटेल, 7. गुणवंत भाई कें ० पटेल, 8. प्रतिला वेन ग्रंबालाल पटेल, 9. दयाभाई ई० पी० पटेल, 10 गोरधन-1 भाई कें ० पटेल, 11. किजोरमाई पभुदान पटेल, 12 मनिभाई कें ० पटेल, 99. जवाहर नगर गोरेगांव (पिचम) बम्बई-62 ।

(ग्रन्तरिती)

की यह मुजना जारी करके । वीना सम्मति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स समाति के प्रजा के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इन नुगना क राजान में प्रताना को नारी का से 45 दिन की अविधि या तरलम्बन्धी क्वास्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की घवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यास्तियों में में किसी क्वास्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किमी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहरूताक्षरी के पास
  निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पवदी वरगः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों घीर नदी का, जा उक्त घितियम, के घड़याय 20 क में परिभाषित हैं की प्रयोगा जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसूची**

श्रतुसूची जैसा कि विलेख नं० सं० 6448/78 बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 4-8-1978 को रजिस्टर्ड किया है ।

> वी० एस० शेषाद्री, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज-ाा बस्बई ।

विनांक: 28-2-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 3 बम्बई

बम्बई, दिनाक 27 फरवरी 1979

निर्देश मं०ए० आर०  $III/\hat{\mathbf{p}}$ ० पी० 287/78-79—म्ब्रन, मुझे, बी० एम० शेषाद्री,

प्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त श्रिविनयम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट न० 34 में 37, सर्वे स० 41 है तथा जो ओसिबरा गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 16) के ग्रधीन दिनाफ 4-8-1978 विलेख न० 6451/72 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के निए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिगत में ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्रांत या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्निविद्य प्रिनियों ग्रिशितः—-

- (1) श्री वैरामजी जीजी भाय प्रा० लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गोरब्रनभाई के० पटेल। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिन्तयों म से किसी क्यिक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैंसा कि विलेख नं० 6451/72 बम्बई उप-रिजस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनाक --8-78 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० शेषाद्री, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, बस्बाई

ता**री**ख: 27-2-1979.

प्ररूप प्राई• टी• एन• एस•-

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई दिनांक '27 फरवरी 1979

निर्देण सं० ए० ग्रार०III/ए० पी० 288/78-79~~ यतः मुझे बी० एस० भेपादी,

मापकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पण से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी मं० प्लाट नं० ई 38 से 44 मर्बे० से 41 है तथा जो ग्रोणिवरा गांव में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्नौर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय वस्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन तारीख 4-8-1978 विलेख नं० 6454/72 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रान्तरकों) भीर प्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक छन् से किया गया है : --

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उन्त अधिनियम के घंधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐना किना ग्राय या किनो छत या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधितियम या धन-कर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में में, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्तिलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) बेरामजी जीजीभाय प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किणोर भाई प्रभुदास पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह प्चना बारी करके प्वोंक्त नम्मिक प्रजीन के लिए कार्यवाहिमां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के मंत्रंध में कोई मी चाक्षेर:---

- (क) इस मुचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना श्री तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्थल्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां प्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही अयहोगा, जो उस प्रत्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 6454/72 बंबई उप-रिजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनक 4-8-78 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी ग्रास शेषादी, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजन रेज-[]], बंबई

तारीख: 27-2-1979

प्रस्त प्राई० टो० एन०एन०--

कायकर अधितित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा ७६९-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत मरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3, बंबई बंबई, दिनाक 27 फरवरी 1979

निर्देश स० ए० ग्रार०-Ш/ए० पी० 289/78-79— यत मुझे बी० 0 स० शेपादी,

आय तर ाजितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ठ० से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० प्लाट न० ई० 26 से 33, सर्वे सं० 41 है तथा जो ग्रोसीवारा गाव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 4-8-1978 को, विलेख नं० 6455/72को

पूर्वोक्त मन्यान के उणित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रनारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर धन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की शबत उक्त प्रश्चितियम के प्रधीन कर उन के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा क लिए; भौर/णा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, धा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बता सब, उक्त धिनियम का धारा 26% ग के अनुसरण में, में, चक्त घिधिनियम की धारा 26% में क्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्चात्:-- (1) श्री बैरामजी जीजीभाय प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डायाहभाई पी० पटेल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना क राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि ये तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में किसी क्यक्ति हारा,
- (चा) इस मूचना क राजपल न प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितल द्वा किसी अन्त्र व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:---हसमे प्रयुक्त शब्दो भीर पदो का, जो उक्त सिंधितियम, के झब्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जा उन ग्रध्याय में दिया गण है।

# अनुसृची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० सं० 6455/72 बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनाक 4-8-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० ग्रेपाद्वी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, बम्बई,

ता**री**ख \* 2*7*-2-1979. मोहर \* प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-[I], बबई

बंबई, दिनाक 27 फरवरी 1979

मायकर प्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उस्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से भिष्ठक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट न० ई० 46,48 से 56, सर्वे सं० 41 है तथा जो श्रोमियारा गाय में स्थित है (श्रीर इसमें उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), रिजस्ट्रीकर्त श्रिष्ठकारी के कार्याक्षय बस्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 4-8-1978 विलेख नं० 6458/72 पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्यश्मान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है शीर अन्तरित (अन्तरित अधिक है शीर अन्तरित (अन्तरित विशेष्ठ)) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक इप से कृषिय नहीं किया गया है:—

- (क) चन्तरण से मुद्द किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी वन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ब्रिविनयम, या वन-कर ब्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ब्रन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्नतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरम में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :— (1) श्रो बैरामजी जीजीभाय प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनीभाई के० पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त नपत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरवटो करण: --- इसम प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्ठयाय 20-क, में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

# प्र**नुसूची**

श्रनुसू**ची जै**सा कि विलेख नं० 6458/72 बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनाक 4-8-78 को रजिस्टई किया गया है।

> वी० एस० शेषाद्री मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, अम्बई।

तारीख ' 27-2-1979

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

कायलिय, ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बंबई, दिनांक 28 फरवरी, 1979

निर्देश सं० ए० भार०-JII/ए० पी०-291/78-79—— भ्रतः मझे वी० एस० शेपरी,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से भधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 सर्वे नं० 131, सी० टी० एम० न० 1309/3 है तथा जो वरोसवा गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्रीकर्रण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1-8-1978, विलेख नं० एस० 979/74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसो आप 'या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्रिनियम, या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, 'छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन, उक्त मधिनियम की बारा 269-ग के मनुसरक में, में, उक्त मधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात :--- (1) श्री अनुसुया कन्तालाल शाह्।

(भ्रन्तरक)

(2) धनुसूची ए० के धनुमार।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना मनाति के प्रजी के मन्त्रन्थ में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी की की 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी खाउँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्ह श्रिधियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जा उन ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० सं० 979/74 बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 1-8-78 के रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० शेषधारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुख्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III,बस्बाई

तारीख : 28-2-1979. मोहर : प्ररूप भार्ट- टी- एन- एम-----

# भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 प (1) के मधीन भूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-III, बंबई

बंबई, दिनांक 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० भार०-III/ए० पी०-292/78-79---

श्रतः मझे बी० एस० शेपाद्री, षायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खंके अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास

करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मुस्य 25,000/- व• में प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 (ग्रंग) भाखा एसटेट के है तथा जो मरोल गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रत्मुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 17-8-1978, विलेख नं० एस० 939/78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के सिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्त्रह वितिशत प्रविक है, भीर यह कि बन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अल्लरण लिखित में वास्तविक अरुप संकवित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरन से हुई किसी बाब की शावत, उपत प्रधि-मिथम, के बाधीन कर देने के बन्तरक के वायिश्व में कभी करने था उसस बचने में भूविधा के लिए; क्षोर/या
- (बा) ऐसी किसी भाग या किसी घन या ग्रन्थ भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या प्रम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: धव उक्त ध्रिवनियम की भारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की घारा 269 घ की उपचारा (1) के मधीन निम्नविधित स्थितियों, जर्यात :---

- (1) 1. श्री कीणन लाल एम० मरवाह, 2. श्री राजेण वरलाल के मरवाह, 3 श्री ण्णील के मरवाह । (भ्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स मल्होत्रा सिन्क मिल्स । (ग्रन्तरिती)
- (3) मैं मर्स मल्होता मिल्क मिल्म।

व्य क्ति, (वह जिसके अधिभोग में सम्बक्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्र मेन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त नम्यति के मर्जा के मन्द्रस्य में कीई ना पानेग :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर भूधना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**रपच्टीकरण:--इ**समें प्रयुक्त शक्वों झौर पक्षों का, जो उक्त धिधनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, बही मर्पहोगा जो उस मध्याय में दिमागया

# **धनु**सूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 939/78 बम्बर्ध उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-8-78 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी ० एस ० शेषाद्वी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, बंबई ।

नारीख: 28-2-1979.

मोहरः

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • —

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269थ (1) ने श्रधीन ग्रचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्राजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 28 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० ग्रार०  $\Pi/2639-17/ग्रगस्त, 78--- ग्रतः मुझे, वी एस० जेवाद्री,$ 

भायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के घिधोन नक्षण प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-क्पए से श्रीधक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे स० 211-सी०, हिस्सा सं० 1 श्रीर 2 सी० टी० सर्वे सं० 541 है तथा जो विले पाला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री रुर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 28-8-1978 विलेख नं० 3141/72/श्रार० को पूर्वोंका सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए शन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह श्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (शन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त श्रनारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण भ हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देन के अन्तरक के दायित्य में वर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिम्हे भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत भ्रिधिनियम, या घन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त भश्चितियम की धारा 269ना के अनुसरण में, म उन्त भश्चितियम, की घारा 269न्त्र की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) 1. श्री सदस्दीन मुहमद नाना वटी 2 ग्रब्दुल ग्रजीज फजलमाथ राजवानी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रतनदीप कॉनमेपोली टीयन कु० घ० सोमायटी लिमिटड (ग्रन्तरिती)
- (3) रतनचन्द खान चन्द मारोह, 2. मिसेस हेनकुवार ग्राय दवे, 3 इब्राहीम सुलेमान इसेन पटेल, 4. श्री ए० एल० दलाल, 5. डा० एस ग्रार० प्रधान, 6. श्री के०एच० केजरलवाला, 7. मिसेस

तारावती एच० मेहरा, 8. श्री हेमराज मेहरा, 9 श्री एस० फर्नानडीम, 10 मिसेम राधिका के पंजावी, 11. मिसेम निर्माना शीलचन्द, 12. श्री सी० एन० चाचड, 13. जार्ज दुर्गा कंस्ट्रक्शन कं०, 14. श्री श्रार० एल० पायस, 15. श्री श्रार० डी० पी० वसकर जार्ज दुर्गा कंस्ट्रक्शन कं०, 16. श्रीमती एम० श्रार० परमार, 17. श्री जी० वेंकटरामन, 18. श्री के० एम० जव्हेरी के० एम० जव्हेरी के एम० जव्हेरी के दौन गरेजीम सर्वेरी श्रन्ड क०, 19. श्री एस० डी० मोहिते, गरेज, 20. भारतीय विदया भवन, 21. मी० के० वेनकटरामन, 22 धार० के० कश्यप, 23 मोहिते, 24. वसन्त,

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) 1. एस० एम० नानावती अण्ड ए० पी० राजवानी, 2. मिसेस हेनकुवार आर० दवे, 3. इक्राहीम सुलेगान इसेन पटेल, 4. श्री ए० एल०
दलाल, 5. श्री के० एम० केजरलवाला, 6. डा०
एस० श्रार० प्रधान, 7. मिसेस तारावती एच
मेहरा, 8. श्री हेमराज मेहरा, 9 श्री एस फर्नानडीस, 10. मिसेस निर्मला शीलचन्द, 11. श्री के०
ग्रार० राजपूत, 12. श्री सी० एन० चाचड, 13. मिसेस
राधिका के पंजाबी, 14. जार्ज दुर्गा कंस्ट्रकशन कं०,
15. श्री ग्रार० एल० पायस, 16. श्री ग्रार० डी०
पायसकर जार्ज दुर्गा कंस्ट्रकशन कं०, 17. श्री जी०
वेंकटरामन के० एस० जल्हेरी के दौन गरेजीस झवेरी
एण्ड कं०, 18. श्री एस० डी० माहि ते गरेज ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य म्यक्ति द्वारा प्रमोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उनत प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्चे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3141/72/श्रार० बम्बई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनाक 28-8-78 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> वी० एम० क्षेषाद्वी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-II बम्बई ।

**वि**नांक: 28-2-79

मोहर.

त्ररूप प्राई० टी॰ एन∙ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) अधियामि सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकक्षा कलकक्षा, दिनांक 14 मार्च 1979

निर्देण सं० ए० सी० 73/रेंज IV/कल०/1978-79—
यतः मुझे, एस के० दासगुप्त
ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु मे अधिक है भीर जिमकी सं० मौजा कृष्तपुर है तथा जो ब्लाक सी०, बांगुर एमिन्यु, स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पण्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बाक्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :——

- (क) सन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त धिक्षित्मम के सधीन कर देते के सन्तरक के वाधित्व मे कमी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए, भौर/या
- (क्ष) ऐसी किसो घाय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर धिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के ममुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नविधित व्यक्तियों, अवित्:--- (1) श्रीमती साविसी देवी बेहानी

— — (ग्रन्तरक)

(2) श्री मुधीर चन्द्र मजुमदार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबनः बारो हरक पूर्वोक्त सम्मति के प्रजेत
 के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में को∶ भा प्राक्षेत्र :---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पद्यं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# **ग्रनुस्**ची

करीब 6 कठ 3 छटाक 17 स्को० फुट। जिमन जो दाग सं० 1337 ग्रौर 11 घटाक 17 स्को० फुट जिमन दाग सं० 1321 एण्ड 1338 मौजा कुष्नपुर, ब्लाक सी, के ग्रमुसार है।

> एस० के० दासगुप्त, सक्षम प्राधिकारीः, सहायक स्रायकर श्रायुक्त **(निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 14-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीम सूचना

# भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1979

निर्देश सं० एस० एल० 492/टी० म्रार० 417/सी० 347/कल०-1/78-79—म्प्रतः मुझे, म्राई० वी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 49 है तथा जो एजरा स्ट्रीट स्थित में हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रकारित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भौर धम्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रम्तरिती (भन्तरितियां) क बाच ऐसं मन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिखित में वास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी भाग के बाबत, उन्ह धिविनयम कं अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य से कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; धौर/सा
- (भा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अस्य प्रास्तियों को जिस्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा अकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए;

अतः अब, उष्तं प्रधिनियम, की धारा 269ना के प्रमुसरण में, में, उष्तं प्रधिनियम की घारा 269न्व की अपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

- (1) श्री भान बाई, भोरा एण्ड ग्रवर्स
- (ग्रन्तरक)

(2) श्री तुषार भोरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए एतब्रारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भल्धि, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योचरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर नवीं का, जा उक्त अधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में प्रशाधित है, वहीं भर्ष होगा जो उस सक्ष्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

49, एजरा स्ट्रीट कलकत्ता में श्रवस्थित 10 कट्टा 4 कट्टा 40 वर्ग फिट, जिमन पर बहूतल्ला मकान का 17/100 हिस्सा जो 1-4097 कोड नं० श्रनुसार 16-8-1978 तारीज मे रजिस्ट्रार श्राफ एयसुटम का पास की रजिस्ट्री हुश्रा। हुआ।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा, मझन प्राधिकारी, स**हायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-<u>ा,</u> कलकता

तारीख : 18-4-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

।यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 18 मर्पेल 1979

निर्देश सं० एस० एल० 493/टी० श्रार० 418/सी० 46/कल०-1/78-79—-श्रतः मुझे श्राई० बी० एस० जनेजा,

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्तात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के भ्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० 49 है तथा जो एजरा स्ट्रीट स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की वावत, उक्त धर्मित्यम के घमीन कर येने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (आ) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या भ्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रिप्तियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरक में, मैं उक्त ग्रिप्तियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्निचित न्यक्तियों ग्राचीत्:—

- (1) श्री मनिबाई भोरा एण्ड ग्रवर्स । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मास्कर भोरा। (ग्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के घध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसची

49, एजरा स्ट्रीट कलकत्ता में श्रवस्थित 10 कट्टा 4 छटाक 40 वर्ग फिट जमीन पर बहुतल मकान का 11/ 100 हिस्सा जो कीड नं I-4098 श्रनुसार 16-8-1978 तारीख मे रजिस्ट्रार श्राफ (श्रनुदेश का पास रजिस्ट्री हुआ।)

> ग्राई० एस० वी० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-ा, कलकत्ता,

तारीख: 18-4-1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 18 प्रप्रैल 1979

निर्देश स० एस० एल० 494ही० श्रार० 419सी० सी० 345कल-173-79—श्रतः, मुझे, श्राई० वी० एस० जनेजा

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

भीर जिसकी मं० 49, है तथा जो एजरा स्ट्रीट कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता. में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भौर भन्तरक (धन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, छक्त भिक्षित्यम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, किपाने में भ्रविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त स्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः—

- (1) मनी बाई भोरा एन्ड अदर्स
- (अन्तरक)
- (2) अनिल कुमार भोरा

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंग।

स्पच्छीकरण: --इसमे प्रयुक्त णक्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

49, एजरा स्ट्रीट, कलकसा मे श्रवस्थित 10 कट्ठा 4 छटाक 40 वर्ग फिट जिमन पर बहुतरुली मकान का 11/100 हिस्सा जो 16-8-1978 तारिज मे छीड न० 1-4099 श्रनुसार रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्स कलकसा पास रिजस्ट्री हुश्रा।

ग्नाई० बी० एस० जुनेजा स**क्षम** प्राधिकारी, स**हा**यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, कलकत्ता,

तारीख: 18-4-1979

# प्रकाश भाई० टी०एन०एस०---

आयकर मिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की बारा ८६९व (1) के मधीन सूचना

# मारत मरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भाष्मत (निरीक्षण) भर्जन रेज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल 1979

निर्वेश स० एस० एल० 495 टी० ग्रार० 420/सी० 344/कल०-1/78-79--ग्रतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उ∓न अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स्व के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि न्यावर मर्थन जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• स अधिक है

और जिसकी सं० 49 है, तथा जो एनरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 1978 को

पूर्वोक्त सम्मति के उतित बाजार मूह्य में कन के बृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रनारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिका , निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से दुंड किसा भाग की बाबत खक्त अधि-ानगम, क प्रधीन कर दन के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किया प्राप्त में किया धन या प्रत्य धास्तियों को, जिन्ह भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए;

यतः भन, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मनि बाई भोरा एण्ड धदर्स। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री धनेन्द्र भोरा। (ग्रन्तरिती)

को यह भूवत जाते। हरहे पूर्वाका सम्मति ह अर्जन के लि**एकार्यवाहि**या करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस प्तान के राजरत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तस्तंबंदी व्यक्तियों पर सूचना जी तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शस्त्रों भीर पदों का, जो उनन अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ हीना, जो उस प्रध्याय में दिया गय है।

# अनुसूची

49, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में मबस्थित 10 कट्टा 4 छटाक 40 वर्ग फिट जिमन पर मकान का 11/100 हिस्सा जो डीड नं० I--4100 मनुसार 16-8-1978 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स का पास रजिस्ट्री हुआ।

> भाई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 18-4-1979

### कर्मचारी चयन ग्रायोग

# ग्रेंड 'ग' श्रामुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1979

#### विश्वपित

### विनोक 5 मई 1978

सं० 13/8/78-प० प्रत्—केन्द्रीय सिनवालय धाणुलिपिक नेवा श्रेणी 'ग' भारतीय विदेश सेवा(ख) के धाणुलिपिकों के सब-काडर की श्रेणी-II, शस्त्र सेना मुख्यालय प्राशुलिपिक नेवा की श्रेणी 'ग' तथा रेनवे बोई मिनवालय धाणु-लिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' में ग्रस्थायी रिक्तियो पर नियुक्ति करने हेतु कर्मचारी चयन ग्रायोग, नई दिल्ली द्वारा 28 सिनम्बर, 1979 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर सथा विदेश स्थित कुछ चूने हुए भारतीय बूतावासों में एक प्रतियोगिताल्मक परीक्षा ली जाएगी।

- 2. पाक्षता की णतें :-- अपरितिखित सेवाधों में से किसी एक का स्थायी ध्रयथा नियमित रूप से लगा हुआ अस्थायी श्रेणी व प्रथवा श्रेणी-III ग्रामुलिपिक हो जो निम्निलिखित णतें पूरी करना हो :--
  - (क) सेवा अविधि:---1 जनवरी, 1979 को श्रेणी थ अध्या श्रेणी-III आगुलिपिक के पद पर तीन वर्ष की अनुमोदित तथा लगा-तार सेवा से कम न हो।
  - (ख) ग्रायु:--। जनवरी, 1979 को 50 वर्ष मे प्रशिक न हो प्रतृस्चित जातियों/ग्रनुस्चिम प्राविम जातियों ग्रीर कुछ ग्रन्य निर्धारित वर्गी के लिए ऊपरी प्रायु सीमा में छूट होगी।
  - (ग) ग्रामुलिपि परीक्षा:— सम्बन्धित सेवा के श्रेणी घ ग्रायमा श्रेणी-III मे पुष्टिकरण ग्रायमा पद पर बने रहने के उद्देश्य के लिए ग्रायोग की ग्रामुलिपि परीक्षा इस परीक्षा की ग्राधि-सूचना की तारीक्षा तक प्रथवा उससे पहले पास कर चुका होना चाहिए जब तक कि उसे ऐसी छूट प्राप्त न हो।
- 3. मु<u>ल्क :--</u>12.00 रुपये (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आधिम जातियों के लिये 3.00 रुपये)।
- 4. पूरे विवरण तथा झायेधन-पत्न परीक्षा नियंत्रक, (मुख्यालय) कर्मचारी स्थान झायोग, लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली110003 को 1.00 रुपया के रेखित (प्राप्तकर्ता लेखा) भारतीय पोस्टल झाईर जो कर्मचारी खयन झायोग को लोधी रोड डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर झथवा झायोग के बिक्री काउंटर पर नकद भगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।
- 5. भरे हुए आवेदन पत्न आयोग को 11 जून, 1979 (25 जून, 1979 विवेशों में तथा अंडमान निकासार द्वीपसमूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदसारों के लिए) तक अधम्य पहुंच जाने चाहिएं।

विवेक भट्टाचार्य, परीक्षा नियंत्रक

# कर्मचारी चयन आयाग

# उच्च श्रेणी ग्रेड मीमित विभागीय प्रतिथागितात्मक परीक्षा, 1979 विनोक, 5 मई 1979

सं० 13/9/79-प० प्र०—वेन्द्रीय सिवयालय लिपिक मेत्रा तथा रेल बोर्ड सिववालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रवर मूचियों में बृद्धि करने हेतू कर्मचारी चयन श्रायोग, नई दिल्ली के द्वारा 21 और 22 मित्रम्बर, 1979 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्राम, नागपुर नथा विदेणों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतात्रामों में एक मीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा की आएंगि।

- 2. पात्रता की णतें:--उम्मीयवार केन्द्रीय सिवालय लिपिक सेवा वा रेल बोर्ड सिवालय लिपिक सेवा का नियमित रूप से नियुक्त स्थामी प्रथवा प्रस्थामी प्रधिकारी होना चाहिए श्रीर जो निम्नलिखित शरों को पूरा करता हो:--
  - (क) सेवा ध्रविधः ---केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा या रेल क्रोर्ड सचि-वालय लिपिक सेवा के ध्रवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में 1-1-1979 को गांच वर्ष की अनुमादित तथा लगातार सेवा से कम न हो।
  - (ख) <u>भायु:</u> ा जनवरी, 1979 को 50 वर्ष से श्रधिक नहीं हो। श्रनुसूचित जातियों/श्रनुसूचित श्रादिम जातियां श्रीर कुछ श्रन्य निर्धारित वर्षों के लिए ऊपरी श्रायु सीमा में खूट होगी।
  - (ग) टंकण परीक्षा: --- जब तक श्रवर श्रेणी ग्रेड में पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा भायोग/सचिवालय प्रशिक्षण णाला/मचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबध संस्थान (परीक्षा स्कंध)/मधीनस्थ सेवा भायोग/कर्मचारी चयन भायोग द्वारा श्रायोजित मासिक/ब्रैमानिक टंकण परीक्षा से खूट प्राप्त न हो, उसे इस परीक्षा की विक्राप्त जारी होने की तारीख को श्रयवा इस से पहले ऐसी परीक्षा पास होना चाहिए।
- $3. \frac{9}{3} + \frac{12}{3} \frac{12}{5} = \frac{9}{5} \frac{12}{5} = \frac{9}{5} \frac{12}{5} = \frac{12}{5} \frac{12}{5} = \frac{12}{5}$
- 4. पूरे विवरण तथा भ्रावेदन पत्न परीक्षा नियंत्रक, (मुख्यालय) कर्मेचारी भयन भ्रायोग, लोक नायक भवन, दूसरी मंजिल, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003 की 1.00 रुपया के रेखित ("प्राप्त कर्ता नेखा") भारतीय पोस्टल आर्डर जो कर्मेचारी चयन भ्रायोग को लोधी रोड डाक धर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा भ्रायोग के भिन्नी काउटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।
- 5. भरे हुए श्रावेषन-पत्न श्रायोग को 11-6-79 (25-6-1979 विदेशों में तथा श्रंडमात पृत्रं निकोबार द्वीप समूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वार्ल उम्मीदवारों के लिए) तक श्रवण्य पृष्ठंच जाने वाहिए।

विवेक भट्टाचार्ये, परीक्षा नियंत्रक

# SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 25th April 1979

SUBJECT: -- Summer Vacation 1979.

No. 44/79-SCA(Genl.).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the Supreme Court will be closed for the annual summer vacation from Monday, the 7th May 1979 to Sunday, the 15th July, 1979 (both days inclusive) and will reopen on Monday, the 16th July, 1979.

In accordance with rule 6 of Order II of the aforesaid Rules, two Hon'ble Judges to be appointed by the Hon'ble the Chief Justice of India would hear matters of an urgent nature, which under the above rules may be heard by a Judge sitting singly. One Hon'ble Judge would sit during the per'od May 7, 1979 to June 10, 1979 and the other Hon'ble Judge will sit during the period June 11, 1979, to July 15, 1979.

The sittings of the Court during vacation would be on Tuesday, the 22nd May, 1979, 5th June, 1979, 19th June, 1979 and 3rd July, 1979. Sittings will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

During summer vacation the offices of the Court will remain open daily from 10.00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays. Holidays and Sundays. The offices of the Court will, however, remain onen on Saturday, the 14th July, 1979 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No plaints, appeals, netitions or other documents except those which are of an urgent nature will be filed or received in the Registry of the Court during the above period of vacation. For the convenience of the parties, however, the Registry will receive all plants, appeals, petitions and other documents from 9th July 1979 onwards during office hours.

M. P. SAXENA Registrar (Admn.).

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd March 1979

No. A. 35014/1/79<sub>f</sub>Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri A. Gopalakrishnan, a Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate on an ad hoc basis Section Officer (Special) in the Commission's office for a period of three months with effect from 20-3-1979, or until forther orders, whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of Shri A. Gopalakrishnan will be regulated terms of the Ministry of Finance Deptt. of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E. III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN Under Secy. for Secy. Union Public Service Commission

# New Delhi-110011, the 9th April 1979

No. P/1827-Admn. I.—In, continuation of Union Public Service Commission notification of even No. dated 15-10-1976, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to continue the appointment as Deputy Secretary. Union Public Service Commission of Dr. A. C. Mathai, formerly a Lecturer in Civil Engineering in the College of Engineering, Government of Kerala. Trivandrum upto 29-9-1979 or until further orders, whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman,
Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS

# (DFPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS),

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th April 1979

No. G-29/65-Ad. V.—Consequent upon his selection for appointment on deputation to the post of Senior Vigilance Officer in the Indian Oil Corporation, Shri G. C. Pattanayak, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the post of Dy. Supdt. of Police in the C.B.I. on the afternoon of 3rd April, 1979.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)
Central Bureau of Investigation

New Delhi-110001, the 16th April 1979

No. O. II-685/71-Estt —The Government of India regret to notify the death of Shri J. A. Ansari, Deputy Supdt. of Police, GC, CRPF Pallipuram on 24-2-1979.

No. O. II-1209/75 Estt.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri Rameshwar Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., GC, CRPF, Durgapur on the afternoon of 28-2-1979.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm)

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 11th April 1979

No. 11/1/77-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number dated 29-8-1978 the President is pleased to extend the ad hoc appointment of the undermentioned officers in the posts of Assistant Director of Census Operations, in offices of the Director of Census Operations as mentioned against each with effect from 27 May 1978 upto 12 September 1978:

S. No.	Name of the office	r States	Headquarters
1. SI	nri S. K. Majumdar,	Uttar Pradesh	Lucknow
2. Sh	rl B. D. Sharma	Chandigarh, UT	Chandigarh

No. 11/1/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Aggarwal, Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations Harvana Chandigarh on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of 2nd April. 1979. un'il further orders vice Shri Ardaman Singh, Deputy Director of Census Operations is transferred from the office of the Director of Census Operations. Harvana, Chandigarh to the office of the Registrar General, India. New Delhi.

2 The headquarters of Shri Aggarwal will be at Chandigarh.

No. 11/1/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Bhargava, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations. Uther Pradesh Lucknow, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operation, West Bengal. Calcutta. on regular basis, in temporary capacity with effect from the forenoon of 30 March, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Bhargava will be at Calcutta.

#### The 12th April 1979

No. 11/1/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Bhargava, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the same

office on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16 March, 1979, until further orders. The headquarters of Shri Rastogi will be at New Delhi.

#### The 16th April 1979

No. 11/1/79-Ad. I(2)—The President is pleased to appoint Shri J. K. Patel, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Muharashtra, Bombay on regular basis, in temporary capacity with effect from the afternoon of 30 March 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Patel will be at Bombay.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# DFFFNCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DFFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 11th April 1979

No. 29015(2)/78-AN-L—The President is pleased to pooint Shri Saniov Mukherjee, an officer of the Indian appoint Shri Sanjoy Mukherjee, an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time Scale of that Service (Rs. 1100-50-1600) with effect from 30-3-1979 (AN), until further orders.

> R. L. BAKHSHI Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

# New Delhi-110 022, the 9th April 1979 AMENDMENT TO NOTIFICATION

No. 20312/79/AN-II.—In partial modification of this office Notification bearing No. 23012/79/AN-A dated the 23rd January, 1979 the Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Section Officer (Accounts) as Accounts Officer in a substantive capacity with effect from the forenoon of the date shown against him instead of from the date already notified,

Name	Organisation where serving	Date of Effect
Shri N. C. PHADKE	Controller of Defence Accounts (officers) Poons	23-12-1979

S. N. CHATTOPADHYAY Dy. Controller Genl. of Defence Accounts (Pers.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

# DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES D.G.O.F. HORS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 11th April 1979

No. 6/79/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri N. N. Biswas, Stenographer 'C/PA to Stenographer Gr. 'B'/Sr. PA(Group 'B' Gazetted) in officiating capacity without effect on seniority from 25-10-78 until further orders.

> D. P. CHAKRAVARTI, ADGOF/Admin. for Director General, Ordnance Factories,

# INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 9th April 1979

No. 21/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri H. Halder, Offg. T.S.O. (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st March, 1979 ( $\Lambda/N$ ).

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Factories

# DIRFCTOR GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 7th April 1979

No. 28/21/78-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. C. P. Nambiar, Field Reporter, All India Radio, Calicut to officiate as Extension Officer, All India Radio, Calicut on a purely ad hoc basis with effect from 20-11-1978 until further orders.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FII MS DIVISION

Bombay-26, the 9th April 1979

No. A-24013/28/78-Fsts. I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Kum. S. Sen Offg. Salesman, Films Division, Nagpur to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the afternoon of 19-3-1979 vice Shri G. K. D. Nag, Branch Manager granted leave.

> N. N. SHARMA Assit. Administrative Officer for Chief Producer

# MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRFCTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridand, the 11th April 1979

No. A-19023/74/78-A. III.—The short-term appointments of the following officers in the posts of Marketing Officer Group II) under this Directorate have been extended upto 30-9-79 or until regular appointments are made, whichever is carlier :-

- 1, Dr. G. K. Pallan.
- 2. Dr. (Smt.) R. S. Nehete,

No. A-19023/1/79-A. III.—Shri S. D. Phadke, A.M.O., is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Guntur well. 22-3-1979 (FN) on purely short-term basis for a period of 3 months or until reulgar arrangements are made, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Phadke relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Rajkot in the afternoon of 17-3-1979.

# The 12th April 1979

Λ-19024/5/78-Λ. JII.—The short-term appointment of Shri Chandra Prakash to the post of Chief Chemist has been extended upto 30-6-1979 or till the post is filled on a regular hasis, whichever is earlier.

No. A. 19024/9/78-A. III.—The short term appointment of Shri A. A. S. Prakasa Rao, to the post of Chief Chemist has been extended upto 30-6-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

# The 16th April 1979

No. 19025/65/78-A. III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 30th June, 1979, or until regular arrangements are made, whichever is earlier :

# S/Shri

- 1. R. S. Snigh
- 2. B. N. K. Singh
- 3, A. N. Rao
- 4. R. V. S. Yadav
- 5. M. P. Singh
- 6. H. N. Rai
- 7. D. N. Rao
- 8. S. P. Shinde
- 9, R. C. Munshi
- 10 K. K. Tiwari
- 11 S. K. Mallik

- 12. S. D. Kathalkar
- 13. R. K. Pande
- 14. M. J. Mohan Ruo
- 15. K. K. Sirohi
- 16. Smt. Ansuya Sivarajan
- 17. V. E. Edwin
- 18. S. P. Saxena
- 19. N. G. Shukla
- 20. R. C. Singhal
- 21. H. N. Shukla
- 22. K. G. Wagh
- 23. S. Surayanarayana Murty
- 24. V. L. Vairaghar
- 25. S. R. Shukla
- 26, M. C. Bajaj
- 27. N. S. Chelapati Rao
- 28. K. Jayanandan
- 29. C. M. Girdhar
- 30. S. A. Shamsi.

### The 17th April 1979

No. A-19023/57/78-A. III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group 1) in this Dte. have been extended upto 30-6-1979 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

- 1. Shri M. Chakraborty
- Shri S. B. Chakravarty
   R. V. Kurun
   Shri S. V. Krishnamurthy.

B. L MANIHAR Director of Administration for Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay 400 085, the 11th March 1979

#### NOTICE

Ref. R/2027/TSD/Est. No. IV/3635.—The following No. Ref. R/2027/TSD/Est. 1V/3635.—The following memo which was sent to Shri K. P. Ravindranathan, Tradesman 'A' of this Research Centre by Registered A/D at his address on January 17, 1979 has been returned undelivered by the postal authorities with remarks dated 20-1-1979 as The memo is therefore to be published in the 'left India'. gazette.

"Registered A/D

Ref.: R/2027/TSD/Est. IV/682

January 17, 1979

#### **MEMORANDUM**

In terms of para 1(a) of offer of appointment No. PA/87(1)/78-R-I dated July 6, 1978 read with Memo No. PA/R/2027/R-I dated July 29, 1978, the competent authority has terminated the services of Shri K. P. Ravindranathan, Tradesman 'A' Technical Services Division on probation with effect from 11-10-78 (F/N). treating the period of his absence from 21-9-78 to 10-10-78 as dies-non.

M. S. RAO Dy. Establishment Officer

- 1. Shri K. P. Ravindranathan 51/1744, Subhash Nagar (MHB) Chembur, Bombay 400 071.
- 2. Shri K. P. Ravindranathan Kolandare House At & Post Chentrapinni Trichur Dist. Kerala State".

R. L. BATRA Deputy Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 9th April 1979

No. Ref. DPS/23/1/79/Est. 10327.—The Director, Directorate of Purchase and Stores appoints Shri K. Raveendran, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis in the scale of play of Rs, 650—30—740—35—880— EB—40—960/- in the same Directorate with effect from the afternoon of February 23, 1979 to the afternoon of March 31, 1979.

> B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

# HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 4th April 1979

Ref. HWPs/Fstt/1/N-22/1567.—Officer-on-Special No. Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Vasudevan Gopalakrishnan Nair, a semi-permanent Assistant Security Officer of Heavy Water Project (Tuticorin) to officiate as Security Officer in the same project in a temporary capacity w.e.f. 16-1-1979 to 22-2-1979 (AN) vice Shii H. B. Prince, Security Officer, granted leave.

> K. SANKARANARAYANAN Scnior Administrative Officer

#### REACTOR RESPARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 22nd January 1979

No. A. 31020/1/78-1231/2194 — The Project Director, Reactor Research Centre is pleased to appoint Shri NAGAPPA BHANURENGAN a permanent Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Accounts Officer III of the Reactor Research Centre as Accounts Officer-II in a substantive capacity in this Centre with effect from April 1, 1977.

> A. SETHUMADHAVAN Administrative Officer

Kalpakkam-603 102, the 7th February 1979

31020/1/78-2331.—The Project Director, Reactor Research Centre is pleased to appoint S/Shri APPASWAMY SETHUMADHAVAN and SWAMINATHA VENKATA-RAMAN permanent Stonographers of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Administrative Officers of the Reactor Research Centre as Assistant Administrative Officers in a substantive capacity in this Centre with effect from January 1, 1979.

B. SRINIVASAN Chief Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th April 1979

No. A. 32013/6/79-EC.—The President is appoint Shri S. Rajaraman, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station. Bombay to the grade of Technical Officer on ad hoc basis for 60 days w.e.f. 16-1-79 (FN) vice Shri T. R. Seshadri, Technical Officer granted earned leave,

> S. D. SHARMA Deputy Director of Administration

### OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 16th April 1979

No. 1/485/79-Est.—The Director General, Overseus Communications Service, hereby appoints Shri R. Krishnaswami as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 26th February, 1979, and until further orders.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

# MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 16th April 1979

No. 11-TR(3)/77.—Shri Pijush Kanti Banerjee, Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta, has relinquished charge of his post, consequent upon the acceptance of his resignation with effect from 18th December 1978 (I·N).

K. S. SIDHU Dy. Director General of Shipping

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Land Scape Developers Private Limited

Madras-600 006, the 9th April 1979

No. 6261/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Land Scape Developers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Christian Mutual Benefit Fund (Colmbatore) Limited

Madras-600 006, the 9th April 1979

No. 6421/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1936 that the name of M/s. Christian Mutual Benefit Fund (Coimbatore) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI IV

New Delhi, the 7th April 1979

# INCOME-TAX DEPTT.

No. Coord./Pub./CIT-IV/D/77-78/543.—In pursuance of the order dated 26-12-70 U/s 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Govt of India Ministry of Finance (Deptt of Revenue and Insurance) authorising so to do, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, hereby publishes names and other particulars of the assessees in whose cases arrears of Income-tax demand exceeding Rs. 1 lakh were written of during the Financial year 1977-78:—(i) Indicate status, 'I' for individual, 'H' for Hindu Undivided family, 'C' for company, (ii) for asstt. year, (iii) for demand written off, (iv) for brief reasons for write off.

1. Sh. Surinder Singh, Prop., Amritsar, Hardware Store, Hauz Qauzi, Delhi-6(1) 1, (ii) 1962-63 to 69-70 & 71-72 (iii) Rs. 1,85,212, (iv) The demand was considered to be irrecoverable.

Note.—The statement that the tax due from a person has been written off only means that in the opinion of Income-tax Department it cannot on the date of publication he realised from the known assets of the assessees. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from his liabilities to pay the account in question.

RANBIR CHANDRA Commissioner of Income-tax Delhi-IV, New Delhi

-----

### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1979

Ref. No. ASR/TT/79-80/7.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS.

S.R. Taran Taran in August 1978

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One building bearing No 12/262 M.C. Guard Bazar, Taran Taran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Gurpal Singh s/o Maj. Harinder Singh, Raja Sansi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harjinder Singh s/o Mohan Singh, Taran Taran, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sl. No. 2 above and Tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One building bearing No. 12/262 M.C. situated at Taran Taran (1/6th part) M.C. Guard Bazar, Taran Taran, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3884 dated 16-8-78 of Registering Authority, Taran Taran, for Rs. 45,000/-.

G. L. GAROO, (IRS.).

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 16-4-79

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/2.—Whereas, I, G. L. GAROO IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One bearing No. 12 262 M.C. Guard, Bazar Taran Taran

Amritsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Taran Taran, on December 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to way tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurpal Singh s/o Maj. Harinder Singh, Raja Sansi, Amritsar. (Transfetor)
- (2) Smt. Gursharan Kaut w/o S. Mohan Singh, Taran Taran, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at \$1 No. 2 above and Tenaut(s) if any.
  (Person in occupation of the property).
- (4) Any persons interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One building bearing No. 12/262 situated at M. C. Guard Bazar, Taran Taran, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 5247 dated 18-12-78 of Registering Authority Taran Taran, for Rs. 40,000/-.

G. L. GAROO, (IRS),
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 16-4-79

# FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, COCHIN-682 016.

Cochin-682016, the 17th April 1979

Ref. L.C. 295/78-80.—Whereas, I, K. Narayana Menon,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair maket value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Alleppey

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 4-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Visalakshi Ammal, W/o K. Radhakrishna Reddiar, Vadakkumbhagom, Quilon.

(Transferors)

(2) 1. Sri Nooruddeen, Hasheef Manzil, Kannımelcherry, Kilikollur, Quilon. 2. Smt. Pathakkannu Subaida Beevi Kilikollur, Quilon.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and buildings as per schedule attached to Document No. 1850/78 dated 4-8-1978.

K. NARAYANA MENON,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated: 17-4-1979

Scal:

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th April 1979

Ref. No. TR No. 502/Acq./Kpr./78-79.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sti Vijai Kumar, Krishna Kumar, Vishnu Kumar Kesarvani sons of Bhagwati Pd. r/o 13/122 Parmat, Kanpur.

(Transferor)

(2) Sri Hubdar Khan s/o Abdul Gafur Khan r/o Khiron Distt. Raibarelly, Irshad Ahmad s/o Hubdar Khan r/o Khiron Raibareilly, Iqbal Hussain s/o Khaley Khan, Javed Iqbal, Jafar Iqbal, Rais Iqbal s/o Iqbal Husain r/o Katrarugarh, Dhanbad.

(Trnasferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Immovable property House No. 41/109 situated at Chaubey Sola Nai Sarak, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 60,000/s the fair market value of which has been determined at Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 7-4-1979

Scal:

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th April 1979

Ref. No. TR No. 536Acq./Etah/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

AS PFR SCHFDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 24-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Haichnian Singh s/o Jaswant Singh r/o Gehtu Pargana Marhata Distt. Etah,

(Fransferor)

(2) Shri Bhudeo Singh, Sunahari I al, Siv Chaian Lal sons of Amar Singh r/o I alpur Majia Gehtu Pargana Marhara, Hatdayal Singh s/o Pulafat Singh r/o Begala Pherati Nagla Gehtu, Smt. Ashaifi Devi w/o Jawab Singh r/o Gehtu Pargana Marhana Distt, Etah.

( Tinasferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.28 Acre situated at village Gehtu Pargana Marhara Distt. Etah sold for an apparent consideration of Rs. 49,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 85,000/-.

B. C. CHATURVI:DI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated: 7-4-1979

#### FORM ITNS- --

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 7th April 1979

Ref No TR No 467 Acq Acta/78 79 — Whereas, I, B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/end bearing No

AS PFR SCHFDUIE situated at AS PER SCHFDUIF (and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 8-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be lisclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
13—46GI/79

(1) Shu Muneshwar Nath Gupta s/o Totaram Gupta Dr Prahlad Gupta s/o Dr. Muneshwainath r/o Chily It Road, Agra and others

(Transferor)

(2) Shri Satish Chandra Agrawal, Rajendra Prasad agrawal, Vinendra Kumar Agrawal sons of Shivchaian Lal Agrawal son of Gangadhar Agrawal 18 Vijai Nagar Colongy, Agra.

(Trnasferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said rammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Home property No 22/67 Vijat Nagar colony, Agra only 14/16 part sold for an apparent consideration of Rs 189,000 the fair market value of which has been determined at Rs 478,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpul

Dated · 7-4-1979

[PART III— SEC. 1

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 11th April 1979

Ref. No 672-A—Wheerns, I, B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupshahar on 17-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Jafii Begum w/o Jahid Ali r/o Chahla Pargana Dibai Tah Anupshahar Disti Bulandshahar.
  (Transferor)
- (2) Shi<sub>1</sub> Haidai Ali, Sartaj Ali 5'o Ahsan and other 1/o Chahla Pargana Dibai Tah Anupshaha<sub>r</sub> Disti Bulandshahai

(Trnasferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Chela sold for an apparent consideration of Rs 26,820/- the fair market value of which has been determined at Rs 80,460/-

B C CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpui

Dated 11-4-1979 Scal:

### PART III—SEC. 11

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 530/MGA/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

As per Schedule situated at Salina

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tikka Harbhajan Singh s/o Smt. Suraj Kaur, V. Salina, Teh. Moga.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kaur, w/o Sodhi Pritam Singh, Davinder Singh s/o Sodhi Pritam Singh, Jaswinder Pal Singh. Partap Nagar, Jagraon.

(Transferecs)

(3) As per Sr. No. 2 whove. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 272 K in village Salina as per sale Deed No. 5444 of October, 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-4-1979

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 531/DSU/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

As per Schedule

situated at Dalla (Tanda)

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Desuva on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Jaght Lal, Paramut Lal, 68/0 Gurdarshan Lal,

(Transferois)

(2) S/Shri Sewa Nand, Ashwani Kumar, Vinay Kumar, ss/o Amar Nath, V. Dalla (Tanda), Jeh. Dasuya.

(Transferees)

(3) As per Sr No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire lates.
- (b) by any other person in crested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same morning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 K & 4 M in village Dalla (Landa) as per sale Deed No. 1361 of August 1978 registered with the S.R. Dasuya.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-4-1979

#### FORM ITNS ~

NOTICE UNDER SECTION 253D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE BHATINDA

phatinda the 2nd April 1979

Ref No AP 532/BTS/79-80—Whereas I, P N MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

As nei Schedule

situated at Bhatinda

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrate (Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Register of Office (1908). Bhatir chi on huru 1978

for an applicat consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to been ve that the fair market value of he pione ty is afore said exceeds the applicant consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 11 respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which he not been or which ought to be disclose; by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby in trate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the soil of the noise under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Sh Bhag Mal sflo Badhwa Mal & Ranjit Singh s/o Jiwan Singh, r/o Bhatinda
- (2) Lahi Filik Ram Memorial Ayurvedic Hospital, Garu Nanak Pura Bhutanda
- (3) As ner Sr No 2 above

(Transferee)

[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

One plot measuring 1629 GaJ in Guru Nanak Pura, Bhatinda as per sale Deed No 3238 of August 1978 registered with the S R Bhatinda

P N MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date 2-4-1979

### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

#### OF INCOMB TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No.  $\Lambda.P.$  532/ABH/79-80.—Whereas 1, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at Abohar

#### (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on August 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vashno Devi wd/o Sh. Daulat Ram r/o Abohar.

(Transferor)

(2) Smt. Vidhawati, wd/o Sh. Dina Nath Gali No. 9 Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]
person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows

to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One house in Krishna Nagar Road, Abohar as per sale Deed No. 1085 of August 1978 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-4-1979

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 534/FDK/7980.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-As per Schedule

situated at Kotkapuite

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monesy or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Sh. Karm Singh, Hari Singh & Mchar Singh.
   Sujan Singh, C/o Sujan Sigh, Mehar Singh Cloth Merchant, Gurdwara Bazar, Kotkapura.
   (Transferors)
- (2) Sh. Mohinder Singh, s/o Milkhi Singh e/o Purva Tailors, Gurdwara Bazar, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One shop in Gurdwara Bazar, Kothapura as per sale Deed No. 2076 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-4-1979

Scal:

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE. **BHATINDA**

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P 535/NWS/79 80 — Whereas I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and As per Schedule

situated at Rahon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawahshehar on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh Kedar Noth, s Devi Dass, V Rahan Navinshehar

(Transferor)

(2) Sh Fuchs der Kumar s/o V. bw i Mitter,

(3) As rei St. No. 2 + bove

[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows

to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days rom the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Aguculta I land me suring 43K & 2M in village Rahon per sole dood No 2747 of August 1978 registered with the SR. Now inshehar.

> P. N. MALIK Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-4-1979

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 536/MGA/79-80.—Whereas I. P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-As pet Schedule

situated at Bagha Purana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moga on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14-46GI/79

(1) Sant Gurmel Singh, s/o Payara Singh, s/o Kishan Singh, r/o Bagha Purana.

(Transferor)

(2) S/Sh. Sukhminder Singh, Tarsem Singh, ss/o Harjit Singh s/o Buchan Singh & Satwinder Singh, Hakumat Singh, Palwinder Singh, r/o Aalawala near Bagha Purana.

(3) As per Si. No. 2 above.

2 labove. (Transferees)

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 K & 8 M in village Bagho Purana as per sale Deed No. 5362 of October 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-4-1979

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OPPICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 537/PHL/79-80.—Whereas I, MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Fatehpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phillaur on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property 2.5 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sh. Atma Ram, s/o Sh. Thakur Ram, (1) r/o Futehpur.

(Transferor)

(2) Sh. Shambhu Dayal, s/o Karyar, Chand, r/o Adewali, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property] (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows

to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 69 K & 7 M in village Fatchpur as per sale Deed No. 2663 of September 1978 registered with the S.R. Phillaur.

> P. N. MALIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Bhatinda

Date: 2-4-1979

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P./538/HSR/79-80.—Whereas I, P. N. MALJK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule

situated at Shum Chaurasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair maraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Balbir Singh, s/o Harnam Singh, s/o Daulti,
 Sham Chaurasi,
 Thana Harianu, Hoshiarpur.

(Transferor)

Sh. Dilbagh, s/o
 Batan Singh, s/o Isher Singh,
 V. Khavra Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 K in village Sham Chautasi as per sale Deed No. 2567 of September 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dato: 2-4-1979

Seal '

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 539/NWS/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Salampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforexaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 S/Sh. Bakshi, Dura, Shadi Nasib, Jogi ss/o Siboo d/o Chuhara, V. Salampur, Nawanshehar.

(Transferoi)

(2) Sh. Rakha s/o Rulia Ram, & Gurpel s/o Rakha, V. Bahloor Kalan, Tch. Nowanshehar.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 ubove.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Purpose the property.]

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 67 K & 5 M in village Salampur as per sale deed No. 3016 of September, 1978 registered with the S.R. Nawanshehar,

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-4-1979

### FORM ITNS...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref. No. A.P. 540/MGA/79-80,—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per Schedule

situated at Bagha Purana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iffstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sant Gurmel Singh, s/o Payara Singh, s/o Kishan Singh r/o Bagha Purana.

(Transferors)

(2) S Shri Sukhminder Singh, 'Farsem Singh, ss/o Harjit Singh, Satwinder Singh, Hakumat Singh, Palwinder Singh s/o Hari Singh, t/o Aalamwala near Bagha Purana.

(Transferees)

- (3) As per S<sub>1</sub>. No. 2 above, [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 K & 8 M in village Bagha Purana as per sale Deed No. 5319 of October 1978 registered with the S.R. Moga,

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd April 1979

Ref No AP 541/NW5/79-80 -- Whereas I, P N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000 - and bearing No

As per Schedule

situated at Village Kat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawan Shehar on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per sions namely —

(1) Smt Gurmit Kaui d/o
Sh Bakhshish Singh,
Sh Piitam Singh s/o
Sh Bakhshish Singh,
Village Kat Teh Nawanshehar

(Transferor)

(2) Sh Gurmej Singh, s/o Sh Chain Singh, Village Kat, Teh Nawanshehar

(Transferee)

(3) As per Sr No 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Kanals in village Kat as mentioned in sale Deed No 2863 of September 1979 registered with the S.R. Nawan Shehar

P N MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhatinda

Date 2 4-1979 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 542/BTI/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dhanna Singh, s/o Sharan Singh s/o Santosh Singh c/o Dharam Pal, H. No. 392, Civil Station, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi utf Krishna Devi, w/o Puwan Kumar Goyal, c/o Amar Nath Goyal, Goyal Textile, Post Office Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per sr. no. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 64 on Power House Road, Bhatinda as per sale Dccd No. 3073 of August 1978 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-4-1979

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 543/MKT/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Thandewala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Jasmer Singh, 5/0
 Sukha Singh s/0 Suhel Singh
 Mukhtiar-a-am Pal Kaur d/0 Mehar Singh,
 S/0 Hari Singh,
 V. Lokha Khurd, Zira,

(Transferors)

(2) Sh. Jagroop Singh, s/o Kehar Singh s/o Hari Singh, V. Thandewala, Muktsar.

(Transferee)

(3) As per sr. no. 2 above.

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 K & 14 M in village Thandewala as per sale Deed No. 2697 January 1979 registered with the S.R. Muktsar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 544/FDK/79-80—Whereas I, P. N. MAIIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Luidkot on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely—

15-46GI/79

(1) Sh. Major Singh, s/o Sh. Chand Singh s/o Balbir Singh, 1/o Kotkapura.

(Transferor)

(2) M/s Guru Teg Bahadui Bhatha, c/o Mukhtlar Singh

c/o Mukhtiar Singles/o Jagroop Singh, s/o Kehar Singh, r/o Kotkapura.

(Transferees)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring  $34\,\mathrm{K}$  &  $6\,\mathrm{M}$  in village Kotkapura as per sale Deed No. 2918 January 1979 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-4-1979

### FORM I.T.N.S .----

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 545/FDK/79-80.—Whereas I, P. N. MAIIK,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and As per Schedule

situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Major Singh, s/o
 Sh. Chand Singh s/o
 Sh. Balbir Singh,
 V. Kotkapura.

(Transferor)

(2) M/s. Jai Durga Bhatha through Hukam Chand s/o Guranditta Mal, s/o Inda Ram, V. Butter, Teh. Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 K & 2 M in village Kotkapura as per sale Deed No. 2917 January 1979 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhutinda

Date: 6-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICL OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref No ΛP 546/GDB/79-80 -- Whereas I, P N MAIIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

As per Schedule

situated at Gidderbaha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidderbaha on Oct 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said t to the hereby initiate proceedings for the requisition of the alorestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Guiderbaha on October 1978
(1) Sh. Nathu Ram, 8/0
Mulkhi Ram 5/0 Laghu Mal,

Milkhi Ram 5/0 Laghu Mal, Gidderbaha

(Transferor)

(2) Smt Vijay Laxmi w/o Dr Raj Kumar Jindal, Dharamsala Chowk, Main Bazai, Gidderabaha

(Transferee)

(3) As per Sr No 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

3 shops on Bharii Roid Gidderbaha as per sale Deed No 940 October 1978 registered with the SR Gidderbaha.

P N MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date 6 4 1979 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 547/MGA/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Moga

(and more fully described in the Schedule annexed heretw), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpa Rani w/o Bhagwan Dass, r/o New Town, Moga.

(Transferor)

(2) Sh. Kirpal Singh s/o Harnam Singh & Harjit Kaur w/o Kirpal Singh, r/o Subash Pura, Tarantaran.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are degreed in Chapter XYA of the 'said Act'shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd of a Godowan in Moga Jit Singh as per sale Deed No. 5175 September 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 548/MGA/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule situated at Moga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Moga on September 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Raj d/o Ganga Ram, 1/0 New Town, Moga.

(Transferor)

(2) Smt. Barinder Kaur d/o Dharam Singh S/o Nand Singh and Dharam Singh s/o Nand Singh s/o Ganga Singh, r/o Kothi No. 11, Khalsa College, Amritsar.

(Transferce)

(3) As per Sr No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd of a building in Moga Jit Singh as per sale Deed No. 5174 September 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 6-4-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1979

Ref. No. A.P. 549/MGA/79-80.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Moga

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(1) Smt. Sheela Rani w/o Om Parkash, r/o New Town, Moga.

(Transferor)

(2) Smt. Balwant Kaur w/o Dharam Singh & Rajinder Singh s/o Dharam Singh Kothi No. 11, Khalsa College, Amritsar.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A Godown building in Moga as per sale Deed No. 5173 of September, 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority.
Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 16-4-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ΛCQUISITION RANGE, BHATINDΛ

Bhatinda, the 16th April 1979

Ref. No. AP 550/FZR/FZR/79-80.—Whereas I. P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Va per Schedule

situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule macred hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thaku Arjan Singh s/o Thakur Sohan Singh, Ferozepur.

(Tunsferor)

(2) S/Sh Ashok Kumar, Naresh Kumar ss/o Shri Gian Chand, 1/o Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immivable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A property in Nohrian Mohalla near Namak Mandi as mentioned in sale Deed No. 2981 of August 1978 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisitoin Range, Bhatinda

Date: 16-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO 31, GANFSH KHIND ROAD, PUNE-411 005

Pune 411 005, 29th March 1979

Ref No CA5/SR Havalı I/Oct '78/437 —Whereas I, Smt P LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F P No 477B/1 A T P S III situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 16 10 78 for an aparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s United Construction Co. 722-A-b/17 I axmi Park, Pune-30

(Transferor)

(2) Salokha Sahakari Griha Rachana Society Ltd 477-B1A, Shahu College Road, Parvati, Pune-9

(Transferce)

Objections, if any, to the acquiation of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Final plot No 477B/1 A TPS III Pune Area 17-26 Ares

(Property as described in the sale deed No 1817 dated 16-10-78 in the office of the Sub Registrar, Haveli-I Pune)

SMT P LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assett Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poona

Date: 29-3-1979

Scal:

Momsha & Natekar, Regd. Firm, 685, Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Gajanan Co-operative Housing Society Ltd. New 667, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31, GANFSH KHIND ROAD, PUNE-411 005

Punc-411 005, 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Haveli-I/Oct '78/438.—Whereas, I Smt. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. New 667 Sadashiv Peth, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 19-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—46G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at New 667, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1748 dated 19-10-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Pune).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1979

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMPTAX

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD, PUNE-411 005

Pune-411 005, the 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR, Haveli-f/Janu '79/439.—Whereas, I Smt. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the involvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 7 of S. No. 110 (new 110A) Hissa No. 1 and  $\frac{1 \cdot \text{Ind } 9A}{2/2/2B/2B}$  Hadapsar, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 2-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. H. Hingorani, 13, Veena Apartments, 776, Bhawani Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Gangadhar Mallappa Kakamani, Plot No. 7, S. No. 110 (New 110A), S.R. P. Road, Pune-13.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 7 of Survey No. 110 (New 110A) Hissa No. 1 1 and 9A 2/2/2B/2B Hadapsar, Pune-13.

Атеа: 936,64 sq. m.

(Property as described in the sale deed registered under No. 15 dated 2-1-79 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1979

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INUIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, EHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD, PUNE-411 005

Pune-411 005, the 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Hacca I/No. V. '78/440.—Whereas, I Smt. P. LALWANI

- being the Competent Authority under Section 269B of the meometric Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.
- S. No. 24, Sub. Div. No. I (pt) S. No. 24 Sub-Div. I (pt) & S. No. 25. s.tuated at Pung
- (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 27-11-78

for an apparent consideration which is less than the 1844 market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the liabonaries. Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moon. or or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1)1. Shri Ganesh Vinayak Akolkar, Vikas. Raviwar Peth, Nasik, through his Power of Attorney Holder Shri Anant Ambadas Kutkarni, Continental, Vijay Nagar Colony, Pane-30.
  - 2. Sm), Kusum Damodar Ranade, 1643, Sadashiv Peth, Pune-30,
  - 3. Shri Prakash Damodar Ranade, 1643, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferors)

(2) M/s. Mangesh, Melodies Pvt. Ltd. Director Shri Rhidaynath Dinanath Mangeshkar, Prabhukunj, Peder Road, Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said p operty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons winchever period expires later.
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Non-agricultural land about 5983 sq, ft, at S. No. 24 Sub-division No. I (pt) S. No. 24 Sub-Division I (part) and S. No. 25-A situated at Sadeshiv Peth, Pune.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2506 dated 27-11-78 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Pune).

SMT. P. LALWANI
Competent Authorny.
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1979

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31, GANESH KHIND ROAD, PUNE-411 005

Punc-411 005, the 29th March 1979

Ref. No. CA5/SR. Panvel/Oct '78/441.—Whereas, I Smt. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F. P.Nos. 129, 130, 131, 133, CTS, No. 1398 and 1402B 1395N, 1395-A, 1404-A (pt) S. No. Hissa No. 320A, 321A situated at Panyel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Panvel on Oct. 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shamji Velji & Co.
 Dhirwani Bhuvanm, 1st Floor, Keshavji Naik Road, Panvel.

(Transferor)

(2) Shri Hiran Laxmichand Shah, Jivan Jyot Building, Opp. Railway Station, Ghatkopar, Bombay-86. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Final plot No. 129, 130, 131, 133, CTS. Nos. 1398 & 1402-B, 1395-B, 1395-A, 1404-A (pt) S. No. Hissa No. 320A, 321A,

(Property as described in the sale deed registered under No. 201 dated Oct. 78 in the office of the Sub-Registrar, Panyel).

SMT. P. LALWANI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1979

### I ORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref No. RAC No. 1/79-80—Whereas, I, K S VENKAΓARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  $R_{\rm S}/25,000\%$  and bearing

No Open plot in situated at 3-5 874 Hyderaguda, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Sri Kailash Charan S/o Sii Mahabir Pershad H No 8 2 626/6 Road No 1 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Di M Ravindernath Reddy, Badepally, Jadeherla Tq Mahaboobnagar-Dist

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Open plot of land in premises No 3-5 874, Hyderguda, Hyderabad, (Plot No 10 admeasuring 355 Sq Yds) registered vide Doc. No. 3319/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K S VFNKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date · 4-4 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref. No. RAC. No. 2/79-80,—Whereas, I K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inoome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 21-2-121 to 131/2 situated at Gulzar House, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli, on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rukmani Bai, H. No. 15-8-497 at Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mangat Rai, S/o late Sri Murarilal, and 2. M/s. Fatch Chand Om Prakash, H. No. 21-2-109 Chankeman, Hyderabad, 3. ori Bolkishen S/o Motilal, Jewellers, at Gulzar House Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

THIN SETTING A Commission of expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, staff have the same meaning as given in Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 21-2-121 to 131/2 situated at Gulzar House, Hyderabad adm. asu. lag 1122.00 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 917/78 in the Office of the Sub-Registrar Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1979.

(1) Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Padma S. Bantia, 27-West Maredpally, (Shantimketan), Secunderabad.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref. No. RAC. No. 3/79-80.—Whereas, I K. S. VENKA-TARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 1-2-524/3 situated at part of it Demalguela, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. FC-13 at Sagar View Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, admeasuring 316 Sq. Ft. registered vide Document No. 3138/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1979,

### [PART III--SEC 1

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M/6 Swastik Builders 1-2 524/3 at Domalguda, Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt Pulmi S Butta W/o Sri Shantial Bantia, Shantiniketan H No 27-West Maredpally, Secunderabad

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydernbad the 4th April 1979

Ref No RAC No 4/79 80—Whereas, I K S VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No Shop No 14 situated at 1 2-524/3 Domalguda, Hydera-bad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Idealitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Shop No FC 14 of Sagarview Building M No 1 2 524/3 at Domalguda Hyderabid registered vide Doc No 3139/78 in the office of the Joint Sub Registral Hyderabad

K S VFNKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 4 4-1979,

Se il ·

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref. No. RAC. No. 5/79-80.—Whereah, I K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Room No. 116 situated at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--17---46GI/79

(1) M/s. Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. G. Ratnamala, H. No. 15-5-671 at Ashok Bazar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Room No. 116 on 1st floor of Sagar view Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3142/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1979.

### [PART III--SEC. 1

### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th April 1979

Ref. No. RAC. No. 6/79-80.—Whereas, I K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 115/1st floor situated at 1-2-524/3 Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Swastik Builders, 1-2-524/3 situated at Domalguda, Hyderabad.

  (Transferor)
- (2) Smt. S. Kamala Bai, W/o Sri S. Malliah, H. No. 14-2-332/13 at Gyan Bagh, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 115 on 1st floor of Sagar view Building M. No. 1-2-524/3 situated at Domalguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 3141/78 in the Joint Sub-Regstrar office Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-4-1979

 M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kumari S. Anuradha Rao, H. No. 3-4-379 at Lingampally, Hyderabad-27. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th April 1979

Ref No. RAC. No. 7/79-80.—Whereas, I K. S. VENKA-TARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. FC-9 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. F.C. 9 in Sagar view Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3140/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-4-1979,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th April 1979

Ref. No. RAC. No. 8/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 205 in situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Terala Venkateshwarloo, H. No. 1-1-164 at Alexander Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Room No. 205 on Second floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3143/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th April 1979

Ref. No. RAC. No. 9/79-80.—Whereas, I K. S. VENKA-TARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

No. Office No. 204 situated at Sagarview Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Terala Sarojinl, W/o T. Venkateswarlu, H. No. 1-1-164 at Alexander Road, (Being Municipal Office), Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office premises No. 204 in Sagar view Building M. No.1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3144/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th April 1979

Ref. No. RAC. No. 10/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. No. 3-6-420/1 situated at Himyatnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Smt. Jahan Ara Begum,
 H. No. 3-6-420/1 at Street No. 3 Himayatnagar,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Syed Naseera, H. No. 3-6-420/1 Street No. 3 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground floor premises portion of H. No. 3-6-420/1 situated at Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 247 Sq. Yds. registered vide Document No. 3014/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-4-1979.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC. No. 11/79-80,—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 71 & 66 situated at Kurnoolpeta, Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri U. R. Siddeswarappa, S/o Uppini Pedda Nagappa, Cloth merchant, N.R. Peta, Kurnool. (Transferor)
- (2) Sri G. A. Ruhlm, Reddy, Mohd. and 3. Hussain, S.B.I. Supervising C.H.B. Society, Ltd., Kurnool. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

3 Acrs of land in survey No. 71 and 66 situated at Kurnoolpeta, Kurnool, registered vide Document No. 2170/78 in the Office of the Sub-Registrar Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1979

Ref No. RAC. No. 12/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat B2/F4 situated at Chiragali lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Smt. Pushpalatha, P/r M/s. Associated Builders, & Real Estate Agents, Abid Road, Hyderabad.

  (Transfero
- (2) Mrs. Sakina Basheeruddin Ahmed, H. No. 11-4-169/8 at Bazaarghat, Hydcrabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-2/F4 in Poonam Apartments, situated at Chiragali lane, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3070/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-4-1979.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC. No. 13/79-80,—Whereas, J. L. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

No. 5-9-30/1/40 & 40A situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely: -18-46GT/79

(1) Shri Surjeet Singh Lamba, H. No. 5-9-30/1/40 & 40A Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Eshwari Bai w/o Shri Khan Chand,
 15-9-337, Mahboobguni, Hyderabad.
 (ii) Sri Lekhrai s/o Khan Chand

15-9-337. Mahboobgunj, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building bearing No. 5-9-30/1/40 & 40A situated at Basheerbagh registered through the document No. 3382/78 at the Joint Registrar's office, M. J. Market, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC. No. 14/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. portion of No. 3-4-178 situated at Lingampalli Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Seetharam Afzalpurkar, H. No. 3-4-174, Lingampalli, Hyderahad.

(Transferor)

(2) S. Padmavathi, w/o Dr. S. Lakshmana Rao, H. No. 3-4-178, Lingampalli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made by writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of house No. 3-4-178 situated at Lingampalli, Hyderabad registered through document No. 3091 of 1978 at the joint Registrar's office, M. J. Market, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range, Hyderabac

Date: 12-4-1979.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Rcf. No. RAC. No. 15/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6 in 5-8-524 situated at Jagdish Market, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evusion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lakshui Bai, W/o Jagdish Pershad by Jagdish Pershad (GPA), H. No. 21-1-293, Rikabguni, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Master Rameshkumar, (represented by Ratanial) H. No. 21-1-281, Ghansi Bazaar, Hyderabad. (Transferee)
- (3) Sri Govindraj Radumal Mukhi, Shop No. 6, 5-8-524, Jagdish Market, Tilak Road, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 6 being part of premises No. 5-8-524 in Jagdish Market, Chirag-Ali-Lane. Hyderabad registered through document No. 3359/78 at the Joint Registrar's Office, M. J. Market, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1949

Ref. No. RAC No. 16/79-80.—Whereus, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Shop No. 6 in premises No. 5-8-520, 520 1 and 520/2, simated at Chiragalli lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Joint Registrar's office, Hyderabad on August-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-

sideration therefor by more than fifteen per cent of been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issuer of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Taramani, w/o Sri Giriraj Goyal, H. No. 5-3-1053, Shanker Bagh, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Master Ravindra Kumar, minor by guardian Ratanlal, H. No. 21-1-281, Ghansi Ваzаві, Hyderabad.
   (Transferee)
- (3) Smt. B. Bharathi Bai, w/o B. Ganesh Rao, Shop No. 6 in 5-8-520, Chiragali lane, Hyderabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 6 being part of premises No. 5-8-520, 520/1 & 520/2 at Chiragall lane, Hyderabad, registered through document No. 3360/78 at the Joint Sub-Registrar's office, M. J. Market, Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-4-1979.

Scal:

 Shri Deepak Gangadhar Gadre, S/o G. B. Gadre, H. No. 725, S. V. Nagar, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sti Paramjeet Singh S/o Sri Harbhajan Singh,
2 Sri Jasbeer Singh S/o Sri Harbhajan Singh, House No. 21-3-291, Petla Butz, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1979

Ref. No. RAC. No. 17/79-80.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of House No. 3-6-291 situated at Hyderguda, Hyderabad

fond more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad in August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the diagram of the property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(3) The Director, Backward Classes Welfare, (Govt. of A.P.), Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion of House No. 3-6-291, situated at Hyderguda Hyderabad, registered vide Doc. No. 3275/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 12th April 1979

Ref No RAC No 18/79 80 — Whereas, I, K S VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

3 6 291 situated at Hyderguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule innexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August-78

for an apparent consideration which is less than the fair multer value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

 1) 1 Sii Gangadhai Balkrishni Gadre
 2 Deepak Gangadhar Gadre, Both residing at 725 S V Nagai, Prine

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh, House No 21 3 291, Petla Burj, Hyderabad

(Transferce)

(3) The Director, Backward Classes Welfarc
(Govt of AP) Hyderabad
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHIDUIL

Building and premises No. 3-6-291 situated at Hyderguda Hyderabad registered vide Doc No. 3276-78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad

K S VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-lax
Acquisition Range Hyderabad

Date 12 4 1979 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1979

Ref. No. RAC. No. 19/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2-1-487 to 487/3 situated at Nallakunta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. S. S. Dounde, H. No. 5-9-31/A, Near New MLA Quarters, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. P. Vasundhara W/o Late P. P. Surya Rao,
2. Sri P. Venkataratnakaram S/o Late P. P. Surya Rao,
H. No. 3-4-257, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Sri G. Surya Rao,
 Sri K. Ranga Rao,
 Sri P. Mohan Rao,
 H. No. 2-1-487, Nallakunta,
 Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 2-1-487, 487/1, 487/2, 487/3, situated at Nallakunta, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3100/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-4-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 20/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat on the 4th floor bearing No. 4-1-938 R. 6 to R. 8 situated at Tilak Road Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Hyderabad in August-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sri Krishna Construction Co., 5-8-612, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Pradeep Kumar, 15-9-60, Maharaj Gunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat on the 4th floor with 1354.80 sq. ft. built up area bearing No. 4-1-938/R. 6 to R. 8 situated at Tilak Road, Hyderabad registered through Document No. 2901/78 at the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 21/79-80.-Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No.

22-7-269/14 situated at Salar Jung Market

Dewan Devdi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura in August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

19-46GT/79

(1) M/s. Shaw Builders. 22-7 269/3, Dewan Devdi, Hyderabad.

(2) Shri Purushothamdas s'o Mahaveerprasad H No. 14-2-389, Racackpuin, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tms notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 22-7-269/14 on the ground-floor of Salar Jung Market situated at Dewan Devdi, Hyderabad registered through Document No. 2084/78 by the Sub-Registrar. Azampura, Hyderabad.

> K. S. VFNKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-4-1979

Seal \*

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3, Dewan Devdi, Hyderabad.

## (Transferor)

(2) Shri Hemraj s/o Ramraj, H. No. 21-1-687, Ricabgunj, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 22/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under acction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Shop in

22-7-269 situated at Salar Jung Murket Dewan Devdi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura in August 78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi in Salar Jung Market, Dewan Devdi, Hyderabad registered through Document No. 2085/78 at the Sub-Registrar's office, Azampura, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-4-1979

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC No. 23/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Flat in 6-1-67/1/3 situated at Public Garden Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad, Hyderabad in August 78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Mir Masood Ali, H. No. 5-8-89, Gadwal Rani Compound, Nampally, Hyderabad.
- (2) Sri Vijay Kumar Asthana, H. No. 21-4-726, Koka-ki-tatti, Hyderabad.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of second floor flat No. 6-1-67/1/3 facing Publi-Garden Road, Hyderabad registered through Document No. 2313/78 at the Sub-Registry, Khairatabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC No. 24/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

22-7-269/15 situated at Dewan Devdi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Azampura on 19th August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3, Dewan Devdi, Hyderabad-500002. (Transferor)
- (2) Shri Ramkumar S/o Chowthrual, 21-6-487 Ghansi Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 15 M.C.H. No. 22-7-269/15 at Salar Jung Market, Dewan Devdi, Hyderabad registered vide document No. 2145/78 at the office of the S.R.O. Azampura on 14-8-78.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-4-1979

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 25/79-80.—Whereas, f, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

22-7-269/46 situated at Dewan Devdi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Shaw Builders, 22-7-269/3, Dewan Devdi, Hyderabad-500002. (Transferor)
- (2) Smt. Raj Kumari Bai w/o Ratanlal, 21-1-281, Ghansi Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 46 M.C.H. No. 22-7-269/46 at Salar Jung Market, Dewan Devdi, Hyderabad, registered vide Document No. 2267/78 at the office of the Sub-Registrar, Azampura in August 78.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 16th April 1979

Ref. No. RAC. No. 26/79-80.—Whereas, J, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-54/76 situated at Busheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on August-/8 for an apparent

consideration which is ress than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ghousia Begum w/o Momin Khan, H. No. 22-3-441, Mandi Mir Alam, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (i) Sri Satteyya s/o Kishtayya,
(ii) Sri G. Raghunath s/o Kishtayya
(iii) Sri G. Anand s/o Satheyya,
H. No. D-34, Bansilalpet,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises bearing Mpl. No. 5-9-54/76 situated at Vanaparthy-Phool Bagh, Basheerbagh, Hyderabad registered through Document No. 3264/78 at the Joint-Sub-Registrar's Office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Insome-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 16-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE,

#### HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1979

Ref. No. RAC. No. 27/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4-1-700 to 701 situated at Jambagh road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ashok Ram Rao Koratkar, 12-12, Shivajinagar, PUNE-4.

(Transferor)

 Sri Gangabhishen Sarda, 4-4-205, Sultan bazaar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building bening No. 4-1-700 to 701, Jambagh Road, Hyderabad registered through document No. 3491/78 at the Joint Sub-Registrar's office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 17-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 17th April 1979

Ref. No. RAC. No. 28/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

206, 209, 210 etc. situated at Nacharam Village, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maj. Mohd. Ahsanuddin Hussain, H. No. 5-8-594, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

- The Sivaramakrishna Co-operative Housing Society Ltd., 12-5-12/2. Vijayapuri, Tarnaka, Secunderabad. (Transferee)
- The H.M.T. Employees Co-operative House Building Society Ltd., H.M.T. Township, Hyderabad.
   (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning no given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2/5 share of interest out of 78 Acres 30 Guntas Agriculture land in S. No. 206/4, 209, 210, 211/2 etc. measuring 31 Acres 20 Guntas at Nacharam village registered vide document No. 3067/78 at the S.R.O. Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 17-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th April 1979

Ref. No. RAC. No. 29/79-80.—Whereas, 1, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

182, 184, 206/4 etc. situated at Nacharam Village, Hydera-bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—46GI/79

Smt. Mehaboobunnisa Begum, 2. Smt. Basheerunnisa Begum and 3. Smt. Afsarunnisa Begum, King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

- 2. The Sivaramakrishna Co-operative Housing Society Ltd., 12-5-12/2, Vijayapuri, Tarnaka, Secunderabad. (Transferee)
- 3. The H.M.T. Employees Co-operative House Building Society Ltd., H.M.T. Township, Hyderabad.

  (Person in occupation of the property)
- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3/5 share of interest out of 78 Acres 30 Guntas Agriculture land in S. No. 182, 184, 206/4, 192/1 etc. measuring 47 Acres 25 Guntas at Nacharam Village registered vide document No. 3075/78 at the S.R.O. Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 17-4-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th April 1979

Ref. No. RAC. No. 30 79-80 --- Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under action 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 1-11-220/9 situated at Begumpet, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri D. V. Ramana Reddy, H. No. 1-11-220/9 at Begumpet, Secunderandd.

(Transferor)

 Dr. S. Gopalkrishnan, H. No. 109 at Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1-11-220/9 at Begumpet, Secunderabad, admensuring 285 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1974/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-4-1979.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, **HYDER ABAD**

Hyderabad, the 18th April 1979

Ref No RAC No 31/79-80 -- Whereas, I, K VI NKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/ and bearing Flat No 18 situated at 1 11-252/1Begumpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Secunderabad in August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax, Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- M/s Jabbai Real Estate, 54 Nallagutta, Secunderabad
  - (Transferor) Smt Siriguri Rukma Bar, H No 2 2 1122/3 at New Nallakunta, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

That No. 18 in the Building M. No. 1-11 252/1 at Begumpet Seconderabad registered vide Doc. No. 2050/78 in the office of the Sub Registral Seconderabad

K S VENKATAR\MAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

18-4 1979 Date

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th April 1979

Ref. No.RAC. No. 32/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 157/7 situated at Tokatta Village Secunderabad (and more fully described in the Schedule

angexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Secunderabad in August 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 I. I. K. Yella Reddy, Kummargutta, Chandulal Bowli, Sccunderabad, 2. K. Yadi Reddy, H. No. 19-3-262/ 2-A at Falakauma, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri S. Eshwar Reddy, R/o Tokatta Village, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.35 Acres, in survey No. 157/7 situated at Tokatta Village, Hyderabad, Urban-Tq, registered vide Doc. No. 2126/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR.III/AP285/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 1273 Flat No. 3 Plot No. 424 10th Road situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 718178

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18-36GI/79

(1) Shri Shantaram Lavman Sagun

(Transferor)

(2) (1) Smt. Seethalaxmi Ramchandran (2) Smt Rajlaxmi Rajshekhar.

(Transferee)

(3) — Do — (Person in occupation of the property)

(4) — Do —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-899/78 and as registered on 7-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V S. SHESHADRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 27-2-79

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1979

Ref. No. AR.III/AP 286/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Block E of S. No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 (document No. 6448/72)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Satishbhai D. Patel

- Pushpaben D. Patel 3. Manibhai Bhailalbhai Patel
- Fakubhai Somabhai Patel
- Bhashkerbai K. Patel
   Vinantiben K. Patel
   Gunvantbhai K. Patel
- 8. Anilaben Ambalal Patel 9. Dahyabhai P. Patel 10. Gordhanbhai K. Patel
- 11. Kishorbhai Prabhudas Patel
- 12. Manibhai K, Patel, 99 Jawahar Nagar, Goregaon (West), Bombay-62,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Leed No. S 6448/ 78 and as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

> V. S. SHESHADRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-2-79

(1) Byramji Jeejecbhoy Pct. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Gordhanbhai K. Patel.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX. ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR-III/AP 287/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 34 to 37 Survey No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 (document No. 6451/72)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 6451/72 and as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V S. SHESHADRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 27-2-79

(1) Byramji Jeejcebhoy Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishorebhai Prabhudas Patel.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR. III/A.P. 288/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. E 38 to 44 of Survey No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 4-8-78 (document No. 6452/72)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 6454/72 and as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V S. SHESHADRI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 27-2-79

Seal;

(1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Dahyabhai P. Patel.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR. III/AP. 289/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing Plot No. 26 to 33 S. No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 (Document No. 6455/72) for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-46GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No 6455/72 and as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V S. SHESHADRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 27-2-79

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Manibhai K. Patel.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 27th February 1979

Ref. No. AR. III/AP. 290/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 46, 48 to 56 of S. No. 41 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-78 document No. 6458/72

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 6458/72 as registered on 4-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

V. S. SHFSHADRI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 27-2-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1979

Ref. No. AR. III/AP291/78-79.—Whereas, I V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3, S. No. 133, CTS No. 1309/3 situated at Versova (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-8-78 (document No. 979/74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ansuya Kantilal Shah.

(Transferor)

(2) 1. Dayaram Shamji Thakkar
2. Dhirajlal Khemchan Shah
3. Suresh Mansukhlal Turakhia
4. Lalit Neghji Merchant.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-979/74 as registered on 1-8-78 with the Sub-Registrar Bombay.

V S. SHESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Bombay

Date: 28-2-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) M/s Mainotia Sii

(1)

(Transferor)

(2) M/s Malhotia Silk Mills

3 Sushil K Marwah

Krishanlal N Marwah Rajeshwailal K Marwah

(Transferce)

(3) M/s Malhotra Silk Mills

may be made in writing to the undersigned-

(Person in occupation of the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1979

Ref. No  $\Lambda R$  III/AP 292/78-79 —Whereas, I V S SHESHADRI

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No 7 (pt) of Marwah Estate situated at Marol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-8-78 (Document No 939/78)

for an apparent consideration which is less than them the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitatin gthe concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S-939/78 and as Registered on 17-8 78 with the Sub Registrar, Bombay

V S SHESHADRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Date . 28-2 79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1979

Ref. No. AR. II/2639/17/August 78.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 161), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 211-C, Hissa No. 1 & 2 City situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-8-78 (Document No. 3141/72/R)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : -

- (1) Sadruddin Mahomed Nanavati Abdul Aziz Fazalbhoy Rajwani.
- (Transferor) (2) Ratnadeep Cosmopolitan Corporative Society Ltd. Housing

(Transferce)

- (3) 1. Mis. Henkuyar I. Dave
  - 3. Shree A. L. Dalaj 4. Shri K. H. Kejariwal 5. Dr. S. R. Pradhan

- 6. Mrs. Taravati H. Mehra
- Mı. Hemraj Mehra
- 8. Shree S. Fernandes

- 9. Mrs. Nirmala Sheel Chandha 10. Shree K. R. Rajput 11. Shree C. N. Chachad 12. Mrs. Radhika K. Punjabi
- George Durga Construction Co.
   Shree R. L. Pais
   Shree R. D. Pawaskar

- 16. George Durga Construction Co.

- George Durga Construction Co.
   Mrs. S. R. Parmar
   Shree G. Venkatraman
   Shree K. S. Jhaveri
   Garages K. S. Jhaveri Jhaveri & Co.
   Shree S. D. Mohite, Garage
   C. K. Venkataraman
   R. A. Kashyap
   Mohite

- 21. Mohite 22. Vasant
- 23. Ratanchand Khanchand Marot
- 24. Bhartiya Vidya Bhuwan.

(Person in occupation of the property)

- (4) 1. S. M. Nanavati & A. P. Rajwani
  2. Mrs. Henkuvar I, Dave
  3. Ebrahim Suleman Esen Patel

  - 4. Shree A. L. Dalal
    5. Shree K. H. Kejariwal
    6. Dr. S. R. Pradhan
    7. Mrs. Taravati H. Mehra
  - Mr. Hemraj Mehra
  - 9. Shree S. Fernandes

  - 10. Mrs. Nirmala Sheel Chandha
    11. Shree K. R. Rajput
    12. Shree C. N. Chachad
    13. Mrs. Radhika K. Punjabi Mrs. Radhika K. Punjabi George Durga Construction Co.
     Shree R. L. Pais
     Shree R. D. Pawaskar George Durga Construction Co.
     Mrs. S. R. Parmar
     Shree G. Venkatraman
     Shree K. S. Jhaveri 2 Garages K. S. Jhaveri Jhaveri & Co.
     Shuee S. D. Mohite Garage.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3141/72/R and as registered on 28-8-78 with the Sub Registrar, Bombay.

> V S. SHESHADRI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III. Bombay

Date: 28-2-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sabitri Debi Behani.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Chandra Majumdar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1979

Ref. No. AC-73/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I S. K.

being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Mouza Krishnapur, situated at Block 'C' Bangur Avenuc (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 22-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 3 chittaks 17 sft being Dag No. 1337 and 11 chittaks 17 sft. being dag No. 1321 and 1338 situated at Mouza Krishnapur, Block 'C', Bangur Avenue, South Dum Dum Municipality more particularly as per deed No. 4221 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-3-1979.

(1) Shri Mani Bai Vora & others.

(Transferor)

(2) Shri Tushar Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. Sl. 492/TR-417/C-347/Cal-1/78-79 —Whereas, I I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Ezra St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

17/100 part of multi-storeyed building being premises No 49, Ezra St., Calcutta situated on a plot of land measuring 10 K 4 Ch 40 Sft registered under deed No. 1-4097 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 16-8-78.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 18-4-1979

(1) Shri Moni Bai Vora & Ors.

(Transferor)

[PART III--SEC. ]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Bhaskar Vora.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. Sl. 493/TR-418/C-346/Cal-1/78-79.—Whereas, I I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

49, situated at Ezra St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the libility
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11/100 part of multi-storeyed building being premises No. 49, Ezra St., Calcutta situated on a plot of land measuring 10 K. 4 Ch. 40 Sft. registered under deed No. 1-4098 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 16-8-78.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 18-4-1979

(1) Shri Moni Bai Vora Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Anil Kumar Vora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze te or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 18th April 1979

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. St. 494/TR-419/C-345/Cal-1/78-79.—Whereas I, L. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Ezra St., Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

11/100 part of multi-storeyed building being premises No. 49, Ezra St., Calcutta situated on a plot of land measuring 10 K. 4 Ch. 40 Sft. registered under deed No. 1-4-098 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 16-8-78.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dato: 18-4-1979

(1) Shri Moni Bai-Vora &-others.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghanendra Vora.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-I, CALCUITA

Calcutta, the 18th April 1979

Ref. No. St. 495/TR-420/C-344/Cal-1/78-79 —Whereas I, I, V, S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 49, situated at Ezra St., Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Calcutta on 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are denfied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11/100 part of multi-storeyed building being premises No. 49, Ezra St., Calcutta situated on a plot of land measuring 10 K 4 Ch. 40 Sft. registered under deed No.—4100 before the Registrar of Assurance, Calcutta on 16-8-78.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th April 1979

Ref. No. R-Acquisition.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kothi No. 88 situated at Udaipur Maikniar Road, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 30-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any moome arising from the transer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Trilochan Singh.

(Transferor)

- (2) Shri Radha Raman Agarwal & Vinay Kumar Agarwal. (Transferee)
- (3) Sardar Trilochan Singh.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 33 days from the service of notice on the respective periods whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sam immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A kothi No. 22 situated at Udaipur, Maikniar Rd, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 4906 duly egatered at the office of the Sub-Registrar Bareilly on 30th August 1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 18-4-1979

#### STAFF SELECTION COMMISSION

#### NOTICE

New Delhi, the 5th May 1979

Grade 'C' Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1979.

No. 13/8/78-E.A.—Staff Selection Commission, New Delhi, will hold on 28th September, 1979 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Misslons abroad a competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade 'C' of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), Grade 'C' of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade 'C' of Railway Board Secretariat Stenographers' Service.

#### 2. Conditions of Eligibility

Must be a permanent or temporary regularly appointed Grade 'D'or Grade III Stenographer of any one of the Services mentioned above satisfying the following conditions:—

- (a) Length of Service.—Must have, on 1st January, 1979 rendered not less than three year's approved and continuous service as Grade 'D' or Grade III Stenographer of the service concerned.
- (b) Age.—Not more than 50 years on 1st January, 1979. Upper age limit relaxable for SCs/STs and certain other specified categories.
- (c) Stenography Test.—Unless exempted, he should have passed Commission's Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade 'D' or Grade III of the service concerned, on or before the date of notification of this examination.
  - 3. Fee,—Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs/STs).
- 4. Full particulars and application forms are obtainable from Controller of Examinations (HQ), Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, 2nd Floor, Khan Market, New Delhi-110003, by remitting Re. 1.00 by means of CROSSED (A/C Payec) INDIAN POSTAL ORDER Payable to the Staff Selection Commission, at Lodhi Road Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's Office.
- 5. Completed application forms must reach the Commission by 11th June, 1979 (25th June, 1979 for candidates residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshdweep).

Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1979.

No. 13/9/78-E.A.—Staff Selection Commission, New Delhi, will hold on 21st and 22nd September, 1979 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions Abroad, a limited departmental competitive examination for making additions to the Select List of the Central Secretariat Clerical Service and Railway Board Secretariat, Clerical Service.

#### 2. Conditions of Eligibility

Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions:—

- (a) Length of Service.—Must have, on 1st January, 1979 rendered not less than 5 years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service.
- (b) Age.—Not more than 50 years on 1st January, 1979. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and certain other specified categories.
- (c) Typewriting Test.—Unless exempted, he should have passed the Monthly/Quarterly Typewriting Test held by the UPSC/STS/ISTM (Examination Wing)/Subordinate Services Commission/Staff Selection Commission on or before issue of Notice of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.
  - 3. Fee.—Rs. 12/- (Rs. 3/- for S.Cs/S.Ts)).
- 4. Full particulars and application forms are obtainable from the Controller of Examinations (HQ)fi Staff Selection Commission, Lok Nayak Bhavan, 2nd Floor, Khan Market, New Delhi-110003 by remitting Re. 1/- by means of crossed (A/C Payee) Indian Postal Orders payable to the Staff Selection Commission at Lodhi Road, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's Office.
- 5. Completed application forms must reach the Controller of Examinations (HQ), on or before 11th June, 1979 (25th June, 1979 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep).

VIVEK BHATTACHARYA Controller of Examinations